संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -22 शनिवार ,23 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

150 से ज्यादा सरकारी टीचर्स वाले गांव के 15 छात्रों ने फिर लहराया परचम

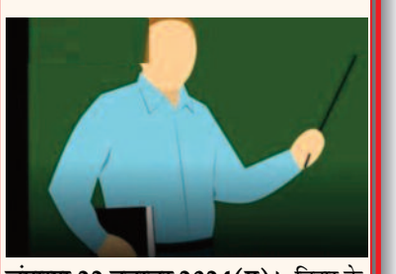

चंपारण,22 नवम्बर 2024(ए)। बिहार के पूर्वी चंपारण के गांव खजूरिया को सरकारी शिक्षकों का गांव कहा जा सकता है। यहां 150 से अधिक शिक्षक हैं। 15 हाल ही में आए बिहार आरटीई- 3 के रिजल्ट में चयनित हुए हैं। यहां छात्र गांव में ही रहकर ग्रूप वाइज पढ़ाई करते हैं। एक गांव ऐसा भी जहां न कोई ईर्ष्या न ही द्वेष. कमजोर का हाथ पकड़ कर आगे बढ़ाने लक्ष्य। इस गांव का नाम है खजूरिया गांव.यह गांव बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में आता है। हाल ही में आए बिहार के शिक्षा भर्ती के परिणाम में यहां के 15 छात्रों का चयन हुआ है। चयनित छात्रों में 4 हेडमास्टर और 11 जूनियर शिक्षक पद पर चयन हुआ है। इस गांव को शिक्षकों की फैक्ट्री भी कहा जा सकता है. क्योंकि यहां के छात्रों ने बताया कि यहां लगभग 150 से अधिक शिक्षक हैं।

अदाणी ने गंधमर्दन पहाड़ियों के पास खरीदी जमीन

भुवनेश्वर,22 नवम्बर 2024(ए)। अदाणी समूह द्वारा ओडिशा के गंधमर्दन पहाड़ियों के पास जमीन खरीदने के बाद, विपक्षी दलों बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से स्पष्टीकरण मांगते हुए यह सवाल उठाया कि क्या कंपनी उस क्षेत्र में खनन करने का इरादा रखती है। हालांकि, अदाणी समूह ने कहा कि भूमि अधिग्रहण का उद्देश्य केवल वनीकरण के जरिए स्थानीय पारिस्थितिकी को सुधारना है, और इसका कोई व्यावसायिक उद्देश्य नहीं है।

हार्ट अटैक से मौत का लाईव वीडियो

कुरनूल,22 नवम्बर 2024(ए)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां अपने दोस्त की शादी में शामिल होने आए एक शख्स को स्टेज पर ही हार्ट अटैक आ गया और उसकी मौत हो गई। घटना कुरनूल जिले के कृष्णगिरी मंडल के पेनुमादा गांव की है. जानकारी के मुताबिक मरने वाले वामसी नाम के शख्स बेंगलुरु अमेजन कंपनी के बेंगलुरु दफ्तर में काम करते थे। वह अपने दोस्त की शादी में शामिल होने कुरनूल पहुंचे थे। वामसी जैसे ही वामसी अपने दोस्त को गिफ्ट देने के लिए मंच पर चढ़े तो उन्हें अटैक आ गया। आनन-फानन में वामसी को डोन सिटी सरकारी अस्पताल ले जाया गया लेकिन, शुरुआती जांच के बाद डॉक्टरों ने वामसी को मृत घोषित कर दिया।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

» मुस्लिम पक्ष को दिया नोटिस...
» अब 14 दिन में हो जाएगा फैसला?

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस हिंदू याचिकाकर्ताओं द्वारा दाखिल की गई याचिका पर जारी किया गया है। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा, हिंदू पक्ष द्वारा यह मामला सुप्रीम कोर्ट में ले जाया गया है। वजू खाना में शिवलिंग का अभी-भी पुरातत्व विभाग द्वारा सर्वेक्षण नहीं हुआ है. इससे यह साफ हो सके कि यह शिवलिंग है या फव्वारा. मुस्लिम पक्ष का दावा है कि यह फव्वारा है।

किस मामले में मिली नोटिस?

अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा, हमने 16 मई 2022 को दावा किया था कि तथाकथित वजू खाना में एक शिवलिंग पाया गया है. हालांकि, अंजुमन इंतजामिया ने इसका खंडन किया और कहा कि यह एक फव्वारा है. इसी को देखते हुए हमने इसका एएसआई सर्वेक्षण कराने की मांग की थी. हमने अब इस मामले में मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी किया गया है.

ज्ञानवापी के 12 तहखानों में से 8 तहखानों की एएसआई सर्वे नहीं हो पाया

जबाब दाखिल करने 14 दिन का मिला समय

इसके अलावा, मुस्लिम पक्ष को दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा गया है. ऐसे में देखना होगा कि मुस्लिम पक्ष की ओर से जवाब में क्या कुछ कहा जाता है.दावा किया जा रहा है कि वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के दौरान वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में शिवलिंग पाया गया था. इसी को देखते हुए यह मामला कोर्ट में पहुंचा. अदालत ने वजू खाना सीलबंद क्षेत्र में एएसआई सर्वेक्षण के लिए नोटिस दिया है.

एएसआई का सर्वे हुआ, जिसमें ज्ञानवापी के 12 तहखानों में से 8 तहखानों की एएसआई सर्वे नहीं हो पाया। इसके साथ ही मुख्य गुंबद के नीचे जो ज्योतिर्लिंग है, उसका भी सर्वे नहीं हो पाया है। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई थी। इसमें मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी किया गया है। मुस्लिम पक्ष को स्पष्ट कहा गया है कि वो दो सप्ताह के अंदर अपना जवाब दाखिल करें। हम आशा करते हैं कि वो जल्द ही अपना जवाब दाखिल करेंगे।

इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के इस्तेमाल पर बवाल

» तीसरा विश्व युद्ध शुरू...
» आर्मी कमांडर ने दिया बड़ा बयान
» अब 14 दिन में हो जाएगा फैसला?

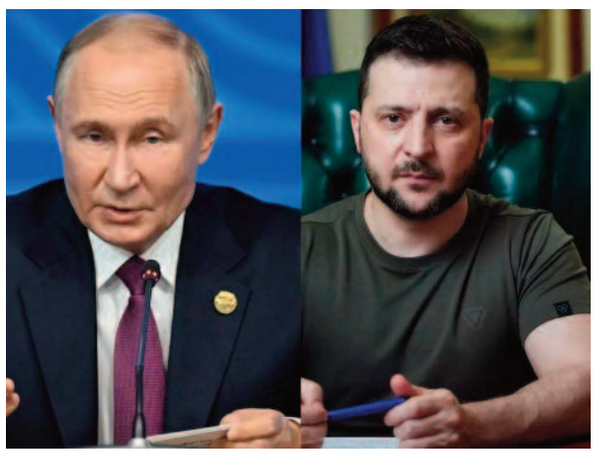

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2024 (ए)। रूस और यूक्रेन के बीच सालों से चल रही जंग और बढ़ गई है। बीते दिनों रूस ने यूक्रेन पर पहली बार इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिससे दुनियाभर में भूचाल मच गया। अब यूक्रेन के पूर्व आर्मी कमांडर इन चीफ ने कहा है कि तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो चुका है। यूक्रेन के पूर्व सैन्य कमांडर-इन-चीफ वालेरी जालुजनी का मानना है कि तीसरा विश्व युद्ध चल रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध में रूसी सहयोगियों की प्रत्यक्ष भागीदारी भी इसी बात का संकेत देती है। उन्होंने एक अवॉर्ड कार्यक्रम में भाषण के दौरान कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि 2024 में हम मान सकते हैं कि तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो चुका है। जालुजनी अब ब्रिटेन में यूक्रेन के दूत के रूप में काम कर रहे हैं।
उन्होंने आगे कहा कि उत्तर कोरिया के सैनिक यूक्रेन के सामने खड़े हैं। ईमानदारी से कहें तो। पहले से ही यूक्रेन में, ईरानी शाहिदी बिना किसी शर्म के बिल्कुल खुलेआम नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक और चीनी हथियार अब सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने ने यूक्रेन के सहयोगियों से ऐक्शन लेने और संघर्ष को देश की सीमाओं से बाहर फैलने से रोकने का भी आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा,इसे यहां यूक्रेन के क्षेत्र में रोकना अब भी संभव है। लेकिन किसी कारण से, हमारे साझेदार इसे समझना नहीं चाहते हैं। यह स्पष्ट है कि यूक्रेन के पास पहले से ही बहुत सारे दुश्मन हैं।÷ बता दें कि यह कमेंट तब आया है जब दावा किया गया है कि रूस ने दस हजार से ज्यादा उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की है। इन सैनिकों के जरिए रूस ईरानी ड्रोन और मॉडर्न हथियारों का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ कर रहे हैं। उन्होंने कहा,यूक्रेन टेक्नोलॉजी से तो जीवित रहेगा, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह अकेले युद्ध जीत सकते हैं या नहीं। दक्षिण कोरिया के एक टॉप अधिकारी ने बताया है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस की जंग के समर्थन में उत्तर कोरिया ने अपने सैनिक भेजे, जिसके बदले रूस ने कोरियाई देश को हवाई रक्षा मिसाइलें दी हैं।

पीएम मोदी पर आरोपों से पलटी ट्रूडो सरकार

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2024 (ए)।कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने निज्जर हत्याकांड को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल और गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों से पलटते हुए कहा कि उनके पास ऐसे किसी भी आरोप को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है।

कोई सबूत नहीं है

कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया सलाहकार नाथली जी ड्रूइन ने स्पष्ट किया कि सरकार ने भारतीय नेताओं को किसी गंभीर आपराधिक गतिविधि से जोड़ने का दावा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की अटकलें गलत हैं और दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा सकती हैं।
भारतीय एजेंटों का उल्लेख फिर किया गया
हालांकि, ड्रूइन ने रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि आरसीएमपी ने भारतीय एजेंटों द्वारा कनाडा में आपराधिक गतिविधियों के खतरे को देखते हुए जनता को सतर्क किया था। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है और इसे पूरी तरह बेबुनियाद बताया है।

कनाडाई अखबार ने पीएम मोदी का नाम घसीटा

कनाडा के अखबार द ग्लोब एंड मेल ने निज्जर हत्याकांड में पीएम मोदी और अन्य भारतीय नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए थे। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे खारिज करते हुए ऐसे दावों को आधारहीन और हास्यास्पद बताया।

भारत-कनाडा संबंधों में खटास

बीते एक साल में भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास बढ़ी है। भारत ने कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी। वहीं, कनाडा ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का दावा किया था, जिसे भारत ने नकार दिया।

जल्द मिलेंगे नए डीजीपी

दिल्ली की बैठक में तीन नामों का पैनल तैयार

भोपाल,22 नवम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश पुलिस के प्रमुख सुधीर सक्सेना 30 नवंबर को सेवानिवृत होने जा रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति से पहले ही मध्य प्रदेश में नए डीजीपी को लेकर कवायद जारी है।

दिल्ली में हुई बैठक में तीन नाम पर चर्चा हुई है उनमें से किसी एक को मध्य प्रदेश का अगला डीजीपी नियुक्त किया जाएगा। पुलिस हाऊसिंग कार्पोरेशन के चेयरमैन कैलाश मकवाना या फिर डीजी ईओडब्ल्यू अजय कुमार शर्मा में से किसी एक अधिकारी को मध्यप्रदेश पुलिस के मुखिया की कमान मिल सकती है।
दावा डीजी होम गार्ड अरविंद कुमार का भी मजबूत है पर सेवानिवृत्ति में महज छह महीने बाकी रहना उनकी राह में बाधा बन सकता है। नई दिल्ली में प्रदेश के नए पुलिस मुखिया को लेकर बैठक हुई। इसमें तीन नामों का पैनल तैयार किया गया है। बताया जाता है कि बैठक में जिन तीन नामों का पैनल बनाया गया है उनमें इन तीनों अधिकारियों के नाम शामिल हैं। अब इसमें से एक नाम मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव फाइनल करेंगे।

तांत्रिक को मिली 10 साल की सजा

» करतूत जानकर उड़ जाएंगे होश

मुरादाबाद,22 नवम्बर 2024 (ए)। यूपी के मुरादाबाद की कोर्ट ने एक तांत्रिक को 10 साल की सजा सुनाई है। तांत्रिक सात साल पहले एक किशोरी को बहला फुसलाकर बिजनौर से आधी रात को अपने साथ भगा ले गया था। तांत्रिक देहरादून के डोईवाला का रहने वाला है। किशोरी को भी तांत्रिक वहीं ले गया। तांत्रिक ने यहां पर किशोरी को कमरे में बंद कर दिया और नशीली वस्तु खिलाकर उसके साथ रेप किया। इसकी खबर जब किशोरी के पिता को लगी तो उन्होंने थाने में केस दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने तांत्रिक को किसी तरह से गिरफ्तार कर लिया। सात साल बाद अब मुरादाबाद की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दोषी तांत्रिक को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई और दस हजार रुपये का जुर्माने भी लगाया है। मुरादाबाद जिले के डिलारी की रहने वाली पीडिता बिजनौर में अपनी नंदसाल गई थी। पीडिता के पिता ने डिलारी थाने में दिसंबर,17 को तहरीर दी। कहा गया कि देहरादून के डोईवाला के गांव दूधली का चिंतामणि तांत्रिक विद्या का काम करता है। 24 दिसंबर,17 की रात को आरोपी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया। किशोरी को तलाश किया गया पर वह नहीं मिली। इस पर परिजन ने चिंतामणि को फोन किया। पता चला कि लड़की उसके पास है। आरोप है कि चिंतामणि ने पुलिस कार्रवाई करने को कहा तो तांत्रिक ने क्रिया से पूरे परिवार को नष्ट करने की धमकी दे दी। इस पर पुलिस ने 27 दिसंबर को देहरादून से किशोरी को तांत्रिक के पास से बरामद कर लिया।

नहीं देखी होगी ऐसी विदाई

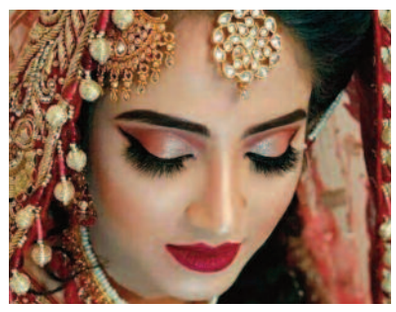

पहले मां से लिपटकर रोई,फिर उछल-उछलकर नाचने लगी दुल्हन

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2024 (ए)। शादी के बाद विदाई के मौके पर दुल्हन की भावनाओं का उबाल मारना स्वाभाविक है, क्योंकि वह अपना मायका छोड़कर हमेशा के लिए किसी दूसरे के घर चली जाती है। यह एक ऐसा मोमेंट है,जो दुल्हन और उसके परिवार के लिए बेहद खास और इमोशनल होता है। लेकिन क्या हो अगर कोई दुल्हन विदाई के समय रोने के बजाय उछल-उछलकर नाचना शुरू कर दे।

छात्रा के साथ कोचिंग में दुष्कर्म

» संचालक ने खुद को क्लासरूम में कर लिया बंद, आरोपी गिरफ़्तार

अलीगढ़,22 नवम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में कोचिंग संचालक ने एक छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। क्षेत्राधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि 21 नवंबर को थाना क्वार्सी और मोहल्ला सुरेंद्र नगर में एक कोचिंग संचालक के विरूद्ध दुष्कर्म किए जाने के विरुद्ध एक तहरीर प्राप्त हुई। इसके आधार पर मुकदमा लिखा गया है। आरोपी को हिरासत में लिया गया है। अन्य वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। घटना की जानकारी होने पर बच्ची के परिजन और स्थानीय लोग कोचिंग पहुंचे और बाहर जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना पर भारी तादाद में पुलिस फोर्स मौके पहुंची। पुलिस ने कोचिंग संचालक को मौके से हिरासत में ले लिया। छात्रा के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हो गया है, हंगामा कर रहे लोगों को पुलिस ने समझा बुझाकर शांत कर दिया है। गुस्साई भीड़ ने कोचिंग सेंटर के भीतर घुसने की कोशिश की। इस पर संचालक ने खुद को क्लासरूम में बंद कर लिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का गेट काटकर कोचिंग संचालक को बाहर निकाला। ज्ञात हो कि कोचिंग सेंटर में कक्षा दस और बारहवीं के छात्र-छात्राओं को परीक्षा की तैयारी कराई जाती है। यहां सुबह सात से शाम पांच बजे तक कक्षाएं चलती हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद भी श्मशान घाट पर जिंदा हो गया शख्स

झुंझुनू,22 नवम्बर 2024(ए)। राजस्थान के झुंझुनू में हैरान कर देने वाला एक मामला सामने आया है. यहां एक व्यक्ति को पोस्टमार्टम के बाद मृत घोषित कर दिया गया. उसके शव को चार घंटे तक डीप फ्रीज में रखा गया, लेकिन जब अंतिम संस्कार के लिए शव दिया गया तो उस मृत व्यक्ति की सांसें चलती हुई दिखाई दीं, जिसके बाद हड़कंप मच गया. इस मामले में लापरवाही बरतने वाले तीन डॉक्टरों को सस्पेंड कर दिया गया है.
झुंझुनू के बग्गड़ में रोहिताश नाम का एक दिव्यांग और मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति मां सेवा संस्थान में रह रहा था. गुरुवार की सुबह बेहोशी की हालत में उसे इलाज के लिए सरकारी बीडीके अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था, जहां डॉक्टर ने रोहिताश को मृत घोषित मृत घोषित कर दिया. उसके बाद शव को बीडीके अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवा दिया गया.

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में हुई मौत

करीब दो घंटे बाद शव का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार के लिए संस्थान को सुपुर्द किया गया था, लेकिन अंतिम संस्कार पर ले जाने के दौरान मृत रोहिताश जिंदा हो गया. आनन-फानन में रोहिताश को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई. फिलहाल शव को अस्पताल के मोर्चरी में रखा गया है.

तहसीलदार और सीएमएचओ ने की मामले की जांच

इस हैरतअंगेज घटना की सूचना पर सरकार ने तहसीलदार ओर बगड़ थानाधिकारी को जांच के लिए अस्पताल भेजा. अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों को घुमा दिया गया था. जिला कलक्टर रामवतार मीणा ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए स्वास्थ्य विभाग को पूरी रिपोर्ट भेजी, जहां देर रात सरकार ने दोषी डाक्टरों पर एक्शन लिया है.

फैक्ट्री में गैस रिसाव से हड़कंप

3 लोगों की मौत कई लोग अस्पताल में भर्ती

सांगली,22 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र के सांगली जिले में स्थित एक उर्वरक फैक्ट्री में रिएक्टर में विस्फोट के बाद गैस रिसाव से तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोगों को भी परेशानी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस बारे में एक अधिकारी ने शुक्रवार को जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि सांगली जिले के कडेगांव तालुका के शालगांव में स्थित एमआईडीसी में म्यांमार केमिकल कंपनी में गुरुवार को देर शाम करीब साढ़े छह बजे रिएक्टर में विस्फोट के बाद गैस का रिसाव हो गया. ये गैस एमआईडीसी और आसपास मौजूद बस्तियों में फैल गई, जिससे कंपनी के चार कर्मचारी और आसपास की बस्तियों के छह लोग समेत कुछ 10 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है

संपादकीय

थाली में भी कटौती करने पर मजबूर

महंगाई बढऩे और उसके अनुरूप आमदनी ना बढऩे पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पडऩा लाजिमी है।मार्केट रेटिंग फर्म क्राइसिल की थाली की लागत के बारे में ताजा रिपोर्ट फिर से इस हकीकत पर रोशनी डालती है कि भारत में आम इनसान की जिंदगी कितनी मुहाल होती जा रही है। क्राइसिल का ताजा अनुमान है कि सिर्फ एक महीने- अक्टूबर में शाकाहारी थाली की औसत लागत 20 प्रतिशत बढ़ी। बढ़ोतरी का ये सिलसिला लंबा हो चुका है। मांसाहारी थाली की लागत में पिछले महीनों में जरूर कुछ गिरावट देखी गई थी, लेकिन वो सिलसिला अक्टूबर में टूट गया। बीते महीने मांसाहारी थाली की लागत पिछले वर्ष के अक्टूबर की तुलना में पांच प्रतिशत बढ़ गई।क्राइसिल के मुताबिक थाली की कुल कीमत में सब्जियों का हिस्सा 40 प्रतिशत होता है। अक्टूबर में प्याज और आलू के दाम में क्रमशः 46 और 51 फीसदी का इजाफा हुआ। अक्टूबर 2023 में टमाटर औसतन 29 रुपये किलोग्राम उपलब्ध था, जबकि बीते अक्टूबर में यह औसतन 64 रुपये किलो बिका। बेशक इन सब्जियों के दाम आने वाले हफ्तों में गिरेंगे। उससे थाली की औसत लागत में राहत मिल सकती है। मगर अक्टूबर में दालें 11 प्रतिशत और खाद्य तेल 10 प्रतिशत महंगे हुए। ऐसी वस्तुओं की कीमत में जो वृद्धि हो जाती है, वह शायद ही कभी आगे जाकर घटती है। सिर्फ अक्टूबर की इस सूरत से समझा जा सकता है कि आम लोगों के आम उपभोग में क्यों गिरावट आई है, जिससे अब कॉरपोरेट सेक्टर की बड़ी कंपनियों की बिक्री भी प्रभावित होने लगी है।किसी भी परिवार में महंगाई बढऩे और उसके अनुरूप आमदनी ना बढऩे पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पडऩा स्वाभाविक है। मगर दुखद यह है कि इस थाली की प्रभु वर्ग में किसी को चिंता नहीं है। राजनीतिक दलों में जाति और मजहबी पहचान की सियासत से चुनावों में अपनी बैतरणी पार करने का भरोसा अटूट बना हुआ है, जबकि मीडिया का सारा विमर्श इस सायास कोशिश से प्रेरित है कि ऐसे मुद्दों को चर्चा से दूर रखा जाए। नतीजा आम लोग भुगत रहे हैं।

अकेले पड़ते बुजुर्गों की बढ़ती मुश्किलें

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

बुजुर्ग आबादी को न केवल आर्थिक असुरक्षा बल्कि सामाजिक अलगाव का भी समाधान चाहिए। भारत में पहले से कहीं ज़्यादा बुजुर्ग लोग हैं। उनमें से ज़्यादातर के पास सामाजिक सुरक्षा बहुत कम है और वे स्वास्थ्य सेवा का ख़र्च नहीं उठा सकते। जबकि सरकार उन्हें देखभाल प्रदान करने के लिए तैयार नहीं दिखती। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, भोजन और आश्रय की बुनियादी जरूरतें, आय सुरक्षा और सामाजिक देखभाल की आवश्यकता है। बुजुर्ग जनसंख्या से जुड़ी अनेक योजनाएँ भी हैं, लेकिन लोग इनसे अनजान हैं या इनसे जुडना उन्हें बोझिल लगता है।

देश के वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बहुत से वरिष्ठ नागरिक गंभीर आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनकी कोई नियमित आय नहीं है, पेंशन या सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं तक उनकी पहुँच सुलभ नहीं है। बुजुर्गों की सामाजिक ज़रूरतें क्या हैं? ये ज़रूरतें सेहत के लिए ज़रूरी हैं, जिनमें परिवार और दोस्तों के साथ सम्बंध, सार्थक गतिविधियों में भागीदारी और स्वायत्तता और गरिमा का संरक्षण शामिल है। इन ज़रूरतों को सम्बोधित करना सिर्फ़ फ़ायदेमंद ही नहीं है; यह हमारी वृद्ध आबादी के स्वास्थ्य और खुशी के लिए भी ज़रूरी है। वृद्धों की सामाजिक ज़रूरतों को पूरा करना एक नाज़ुक पौधे की देखभाल करने जैसा है। उन्हें खिलने के लिए सावधानीपूर्वक ध्यान, निरंतर देखभाल और पोषण देने वाले वातावरण की आवश्यकता होती है। आखिरकार, सामाजिक ज़रूरतें सिर्फ़ मानवीय संपर्क की बुनियादी ज़रूरतों से कहीं ज़्यादा हैं। वे किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य का आधार बनती हैं, जो शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिरता दोनों को प्रभावित करती हैं।

बुजुर्गों (60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति) की संख्या 2011 में 100 मिलियन से बढ़कर 2036 में 230 मिलियन हो जाएगी। 2050 तक, बुजुर्गों की आबादी कुल आबादी का लगभग पाँचवाँ हिस्सा होने की उम्मीद है। इससे भारत में बुजुर्गों की आबादी का कल्याण एक आसन्न आवश्यकता बन जाती है। बुजुर्गों की आर्थिक कमज़ोरी जैसे कि अनौपचारिक क्षेत्र के बड़े कार्यबल में पेंशन कवरेज का अभाव है। (भारत में 80त्न से अधिक कार्यबल अनौपचारिक है) स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत और सीमित बचत वित्तीय चुनौतियों को बढ़ाती है। प्रवास और बदलती संरचनाओं के कारण परिवार की सहायता प्रणाली कमज़ोर हो रही है। पेंशन कवरेज का विस्तार करें, किफायती स्वास्थ्य बीमा शुरू करें (आयुष्मान भारत योजना का विस्तार सभी बुजुर्गों के लिए एक अच्छा क़दम है), वरिष्ठ नागरिकों के लिए निवेश विकल्प बनाएँ और रिवर्स मॉर्गेज को बढ़ावा दें। वरिष्ठ नागरिक समाज में अलगाव की स्थिति से भी त्रस्त हैं। उनमें सामाजिक संपर्कों की कमी के कारण अकेलापन बना रहता है। उनको अपनी संपत्ति की सुरक्षा और अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव की भी ज़रूरत होती है। वरिष्ठ नागरिकों, खासकर अकेले रहने वाले व्यक्तियों, के साथ उनकी संपत्ति से जुड़े और उनके साथ होने वाले अपराधों के समाचार आते रहते हैं।

संयुक्त परिवारों और प्रवास में कमी के कारण कई बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जिससे अवसाद और चिंता होती है। सांस्कृतिक बदलावों ने अंतर-पीढ़ीगत सम्बंधों को भी प्रभावित किया है। बुजुर्गों के प्रति पारंपरिक सम्मान और श्रद्धा, जो कभी भारतीय समाज की आधारशिला हुआ करती थी, अब सूक्ष्म बदलावों से गुज़र रही है। बुजुर्ग महिलाएँ, ख़ास तौर पर विधवाएँ, अक्सर सामाजिक अलगाव के ज़्यादा गंभीर रूपों का सामना करती हैं। प्रौद्योगिकी के साथ चुनौतियाँ डिजिटल विभाजन बुजुर्गों को और अलग-थलग कर देता है। सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम, वरिष्ठ क्लब, अंतर-पीढ़ी कार्यक्रम और स्वयंसेवा के अवसर हैं।बुजुर्गों के कल्याण के लिए उपाय जैसे कि बुनियादी ढाँचा विकास, आयु-अनुकूल स्थान, सुलभ परिवहन और वृद्धावस्था स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिससे गतिशीलता, स्वतंत्रता और सामाजिक संपर्क में सुधार होगा। ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँचने के लिए बुजुर्गों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम। मानवीय संपर्क बनाए रखने के लिए टेलीमेडिसिन और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली। सरकार, गैर सरकारी संगठनों (एजवेल फ़ाउंडेशन), निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग ज़रूरी है। धार्मिक संस्थाएँ सामाजिक और आध्यात्मिक सहायता प्रदान कर सकती हैं। अवसाद और चिंता से निपटने के लिए सुलभ परामर्श, सहायता समूह और गतिविधियाँ। पारिवारिक सहायता को मज़बूत करना और परामर्श और अंतर-पीढ़ी कार्यक्रमों के माध्यम से पारिवारिक बंधन को बढ़ावा देना। बहु-पीढ़ी के परिवारों के लिए प्रोत्साहन जैसे कि स्विट्जरलैंड की टाइम बैंक पहल की नकल। इस पहल के तहत, युवा पीढ़ी वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करके समय बचाना शुरू करती है। बाद में, वे बचाए गए %समय% का उपयोग तब कर सकते हैं जब वे बूढ़े हो जाते हैं, बीमार हो जाते हैं या उन्हें किसी की ज़रूरत होती है जो उनकी देखभाल करे। इस पहल को भारतीय व्यवस्था में लागू किया जाना चाहिए। भारत को भविष्य में सेवानिवृत्ति की आयु को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी के अवसरों को जोखिम में न डाला जा सके।

बुजुर्ग आबादी के लिए सरकारी योजनाएँ जैसे वृद्ध व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2011, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय वयोश्री योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना, वरिष्ठ देखभाल एजिंग ग्रोथ इंजन पहल और पोर्टल इसे सुचारू और मज़बूत बनाएंगे। बुजुर्ग भारत अपने बुजुर्गों के लिए एक देखभाल करने वाला भारत भी हो सकता है। दोनों पहलुओं (वित्तीय और साथ ही सामाजिक कमजोरियों) को सम्बोधित करने वाली समावेशी, सुलभ और व्यापक कल्याण योजनाएँ बनाकर,भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसकी बुजुर्ग आबादी सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक जुड़ाव के साथ आगे बढ़े। वृद्धों की सामाजिक ज़रूरतों को सम्बोधित करना उनके समग्र कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण है। चाहे वह सार्थक सम्बंधों को बढ़ावा देना हो, नियमित सामाजिक संपर्कों को प्रोत्साहित करना हो, स्वतंत्रता को बढ़ावा देना हो, या पेशेवर सहायता और सेवाएँ प्रदान करना हो, प्रत्येक तत्व सफल बुढ़ापे को सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।जबकि सामाजिक अलगाव और सामाजिक भागीदारी में बाधाओं जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, उन्हें व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामुदायिक और पेशेवर सहायता से दूर किया जा सकता है।

जैसा कि हम अपनी वृद्ध आबादी की सेवा करना जारी रखते हैं, आइए याद रखें कि उनकी सामाजिक ज़रूरतें उनकी शारीरिक ज़रूरतों जितनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। आखिरकार, एक अच्छी तरह से जीया गया जीवन एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ जीवन है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समय रहते ही जीवन को समझ लें

निखिल रस्तोगी
लखनऊ उत्तरप्रदेश

हमारा जीवन कई जटिलताओं से भरा हुआ है। खासकर इस बात का एहसास हमें तब होता है जब हम अपनी जरूरतों और उद्देश्यों को पुरा करने की जद्दोजहद में लगे होते है। अमूमन अपने युवावस्था में हम इस सत्य से अवगत होते हैं। बचपन में अक्सर हम बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, इस सवाल पर मन चाहे जवाब देते है। लेकिन बड़े होते-होते हमारे सामने से गुजरती जिन्दगी हमें क्या बनना है और कैसे बनना है, इस बात का बोध करा देती है। यह वही समय होता है जब हमें जीवन में छुपी कई बातों का भी पता चलता है। हकीकत से हमारा सामना होता है और जीवन कि खट्टी-मीठी बातों से हम वाकिफ होते हैं। यही वह समय भी होता है जब हम अपने आपको खोजने की कोशिश करते हैं। हालांकि इस दौरान कुछ और भी बातें होती हैं जिसको समझना भी जरूरी है। जैसे हमारी इच्छाओं की सूची समय के साथ साथ छोटी होती जाती है। यानी यौवन से बुढ़ापे तक हमारी इच्छाएं दम तोड़ने लगती है। परिवार के तकाजे और बढ़ती उम्र यहां इसके दो अहम कारण है। हम यूंही जीवन कि राह पर चलते हैं और इस बात का हमें पता तक नहीं चलता है। जीवन एक कहानी के समान है। जहां हम अपने अस्तित्व को बनाए और बरकरार रखने के लिए अलग-अलग किरदार निभाते हैं। यहां पर आस पास हो रही गतिविधियां, बातें तथा लोग हमारे इन किरदारों के निदेशक होते हैं। हमारे जीवन कि बागड़ोर हमारे हाथ में न होकर दूसरो के हाथ में ज्यादा होती है। यही कारण है कि अमूमन लोग अपने जीवन तथा अपने जीवन यापन से नाखुश रहते हैं। सुनने में यह सारी बातें थोड़ी अजीब लगती है। लेकिन यह वह सत्य है जिसको नकारा नहीं जा सकता और हमारे जीवन में खासकर युवावस्था में इन बातों का बोध जितना जल्दी हो जाएं उतना अच्छा रहता है। जिन जरूरतों को हम पूरा करना चाहते हैं उसके लिए यह अहम है। कुलमिलाकर सफलता की चोटी पर पहुंचने के लिए इन सारी चीजों का एहसास होना अनिवार्य है क्योंकि सफलता और विफलता के बीच यही बातें वह बारीक रेखाएं हैं। इसके अलावा, अक्सर लोग सफलता को अपने मत और हित के आधार पर परिभाषित करते हैं जहां इसे भौतिकवाद से जोड़कर परिभाषित किया जाता है। लेकिन सफलता सिर्फ इन्ही दायरों में सिमट कर नहीं रह जाती है।

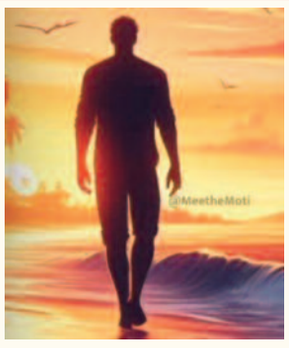

उसके दायरे हमारी कल्पना से भी परे होते है। इसलिए सफलता को सिर्फ इन बातों से जोड़ना सही नहीं है। जब आप अच्छे इंसान कहलाते है, आप समाज मे गैर समाजिक बातों पर सवाल उठाते हैं और खुद को जलाकर दूसरो को आवाद करना जानते हैं। तब आप सही मायने में सफल कहलाते हैं। यह सब चीजें वह चुनिंदा बातें हैं जो सफलता के मर्म का प्रतिबिम्ब दर्शाती है। अक्सर हम सुनते हैं कि इंसान को अगर तेजी से जाना है, तो अकेले चलना होगा और अगर दूर जाना है, तो साथ मिलकर चलना होगा। यह महज एक कहावत नहीं वल्कि सच्चाई है। वह वास्तविकता, जिसको आज का इंसान नजर-अंदाज करता है। इसी प्रकार सफलता और असफलता के पीछे हमारी सोच भी एक मुख्य किरदार निभाती है। जब हम दूसरो तथा खुद के प्रति अच्छी सोच रखते है, हम अपने आप को सफलता के और निकट पाते हैं। इसी कड़ी में सत्य हमारे जीवन का वह प्रकाश होता है, जिससे हमारा जीवन उज्वलित होता है। साँच को आँच नहीं यह महज एक कहावत नहीं वल्कि हकीकत है। दरअसल, जब हम सच के इर्द-गिर्द अपना जीवन जीते हैं तो समाजिक परिवेश में हमारे व्यक्तित्व पर किसी प्रकार के सवाल उठने की संभावनाएं ना के बराबर हो जाती है। हालांकि, समाज हमारे इन सिद्धांतों से कितना खुश रहता है, वह अलग बात है। लेकिन जीवन की कसौटियों पर अंकुश भी यही सिद्धांत लगाते है। यह बातें समझने वाली है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए, इन सिद्धांतों पर अमल करना आवश्यक है। युवावस्था में हमारा मन एक कच्ची मिट्टी के समान होता है, जिसको अगर हम इन बातों के साथ आकार देते हैं। हमें जीवन में जीतने से कोई नहीं रोक सकता है। आगे बढ़ते समय यही सिद्धांत हमें बाकियों से अलग बनातें है क्योंकि आप जीवन के मर्म से अवगत हो जातें हैं और यहां आपकी भेंट वास्तविक सफलता से होती है। कुलमिलाकर, जीवन में जीना और उसको समझना अपने आप में एक कठिन कार्य है, लेकिन इसमें व्याप्त मूलभूत बातों को समझकर इस कठिन कार्य को आसान किया जा सकता है। यहां जरुरत हैं तो सिर्फ गौर से इन बातों का एहसास करना और हकीकत से वाकिफ होना। जीवन में सफलता और खुशी का राज यही कुछ सिद्धांत और बातें है।

क्या हम कभी ताजगी से महकती हवा में गहरी सांस ले पाएंगे?

क्या दिल्ली में अब कभी वह सर्दी आएगी जो पहले आती थी? वह सर्दी जिसमें हम दिल्लीवासी साफ़ हवा में सांस लेते थे? क्या सर्दियों में नीला आकाश देखने को मिलेगा? क्या हम कभी ताजगी से महकती हवा में गहरी सांस ले पाएंगे?दिल्ली को पहली बार 2016 में अहसास हुआ कि हवा जहरीली हो सकती है। उस साल दिल्ली पर पहली बार धुंध की एक बड़ी-सी चादर छा गई थी।हाहाकार मचा और अस्तव्यस्तता के हालात बने। उस समय हम न तो वायु प्रदुषण से जुड़े शब्दों (जैसे एक्यूआई) को समझते थे, ना इसके दुष्प्रभाव को और ना ही इसके अंतिम नतीजों को।इसके एक साल पहले, 2015 में न्यूयार्क टाईम्स के दक्षिण एशिया संवाददाता गार्डिनर हैरिस ने एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक था ÷दिल्ली अपनी सांस रोक लो।इस लेख में जो कहा गया था, वह अंततः सही सिद्ध हुआ। लेकिन उस समय उसकी बहुत आलोचना हुई थी और उसे एक डरावनी कल्पना से अधिक कुछ नहीं माना गया था। मगर आज उस लेख की भविष्यवाणी, दिल्ली की भयावह हकीकत है।सन् 2016 में एक्यूआई 372 था, जो वायु प्रदूषण का खतरनाक' स्तर होता है। तब मैंने एक एयर प्यूरीफायर खरीदा था। लेकिन मैं यह नहीं जानती थी कि आठ साल बाद मुझे अकेले अपने घर में साफ हवा में सांस लेने के लिए दो एयर प्यूरीफायरों की जरूरत होगी।उस समय इवन-आड (जिन गाडियों के नंबर विषम हैं, उन्हें एक दिन और जिनके सम हैं, उन्हें अगले दिन सड़क पर चलने की इजाजत देना), डीजल वाहनों पर प्रतिबंध, ट्रकों के शहर में प्रवेश पर पाबंदी, स्कूलों की छुट्टी आदि जैसे छोटी अवधि के लिये कारगर उपाय लागू किए गए।मगर इनसे दिल्ली निवासी खुश नहीं थे। आज दिल्ली में प्रदूषण का स्तर उस समय से बहुत ज्यादा है लेकिन उससे निपटने के लिए वही पहले वाले उपाय लागू हैं।बस फर्क यह है कि इन उपायों को एक आधिकारिक नाम दे दिया गया है जीआरएपी 4। दिल्लीवासी तब की तरह आज भी इन कदमों से खुश नहीं हैं। लेकिन उनके पास कोई चारा नहीं है। इन हालातों के लिए वे स्वयं जिम्मेदार हैं।हम साल-दर-साल इस भयावह प्रदूषण का सामना करते रहे लेकिन कहीं कोई गुस्सा नजर नहीं आया। हर सुबह कोई-न-कोई न्यूज़ एजेंसी धुंध में लिपटी दिल्ली की तस्वीरें और वीडियो ट्वीट करती है और उसके बाद ले देकर राजनीति शुरू हो जाती है।दिल्ली में यह संकट इसलिए और गंभीर रूप अख्तियार करता जा रहा है क्योंकि यहाँ मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी तो चुनावी मुद्दे हैं, मगर प्रदूषण नहीं है।और क्यों हो? दुर्भाग्यवश आम दिल्लीवासी मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी ही चाहता है। लोग समय से पहले बीमारियों से घिर रहे हैं मगर कोई सरकारों से यह नहीं कहता कि इस मुद्दे पर वे गंभीर रूख अपनाएं।कोई सरकारों से मांग नहीं करता कि उसे सांस लेने के लिए साफ़ हवा उपलब्ध करवाई जाए।पिछले आठ सालों में हवा किस हद तक प्रदूषित हो चुकी है यह सबको महसूस है। सड़क के पार की इमारतें तक नजर नहीं आतीं, उड़ानों में देरी हो रही है या उन्हें रद्द करना पड़ रहा है, छोटे-छोटे बच्चों को नेबुलाइजर का इस्तेमाल करना पड़ रहा है और बड़ों को खांसी की दवाईयों का।यह सब आम हो चला है। लेकिन इसके बावजूद जनाक्रोश कहीं नहीं है ऐसा जनाक्रोश जो सरकारों को हालात में बदलाव लाने के लिए मजबूर करे। अब बच्चा-बच्चा पीएम 2.5 का मतलब जानता है। और लोगों की सेहत पर इसका गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहा है।शोधों से अब साबित हो गया है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने से टाईप 2 डाईबीटीज का खतरा बढ़ जाता है। एक अन्य अध्ययन में यह पाया गया है कि दिल्ली के लोगों के पीएम 2.5 के औसत वार्षिक एक्सपोजर (92 माइक्रो ग्राम प्रति क्यूबिक मीटर) के कारण

अल्झाइमर व पार्किन्संस होने की संभावना आदि पर क्या प्रभाव होता है, इस पर भी अध्ययन किए जा रहे हैं।एक सोच यह भी है कि प्रदूषित वायु से मनुष्यों का मूड बिगड़ता है,जिससे आत्महत्या का विचार मन में आने की संभावना में बढ़ोत्तरी होती है।लेकिन इस मामले में दिल्लीवालों के ढीले-ढाले रवैये को देखकर ऐसा लगता है कि वे साफ़ हवा को ऐसा मुद्दा ही नहीं मानते जिसके लिए उन्हें संघर्ष करना चाहिए, लडऩा चाहिए।औद्योगीकरण की राह चुनने वाले सभी राष्ट्र एक-न-एक दिन अपने आप को एक रक्तचाप में बढ़ोत्तरी हो रही है और हाइपरटेंशन का रोग होने की संभावना बढ़ गई है।प्रदूषण का शरीर में कोलोस्ट्रोल और विटामिन डी के स्तर, लोगों के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न पहलुओं जैसे जन्म के समय वजन, गर्भवती स्त्री के स्वास्थ्य, किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध और दोराहे पर पाते हैं। उन्हें समझ आता है कि प्रगति' और पर्यावरण में से उन्हें एक को चुनना होगा।प्रगति' हर शहर और उसके लोगों से अपनी कीमत वसूलने लगती है। औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोप में यही हुआ। अमेरिका को अपनी हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में 25 से 35 साल लगे।लास एंजिल्स शहर अपनी हवा को साफ़ करने में 1950 के दशक से जुटा हुआ है मगर अब तक संघीय सरकार द्वारा निर्धारित मानकों तक नहीं पहुंच सका है। चीन में प्रदूषण से लड़ाई जारी है। चीन जल्दी में है क्योंकि उसने युद्ध काफी देर से शुरू किया है। मगर उसने बहुत जल्दी नतीजे हासिल कर लिए हैं।लेकिन दिल्ली में तो अभी जंग तक एलान तक नहीं किया गया है ङ्क न जनता द्वारा और ना ही उसके निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा।निगरानी ढीली-ढाली है और संबंधित कायदे-कानूनों पर सख्ती से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रदूषण के स्त्रोतों से निपटने के लिए कड़े नियम बनाने और एक परिष्कृत और अनवरत चलने वाली रणनीति अपनाने में किसी की रूचि नहीं है।रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों से दिल्ली धुंध से लड़ाई में लगातार मात खाता आ रहा है। सन 1990 के दशक में जब वायु प्रदूषण पहली बार एक चिंता का मुद्दा बना, तब सीएनजी का इस्तेमाल शुरू किया गया, कारखाने दिल्ली से हटाकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भेजे गए और मेट्रो पर काम शुरू हुआ।लेकिन जैसे-जैसे दिल्ली बड़ी होती गई, आबादी बढ़ती गई, ये उपाय बौने नजऱ आने लगे। फोकस प्रगति' पर था। और बड़े, और ऊंचे शहर, और हाईटेक शहर पर था।मगर इससे होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए कुछ नहीं किया गया। एक्सप्रेसवे बनाये गए। जिन पर कारें हेलीकाप्टर की स्पीड से दौड़ती हैं ङ्क मगर पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वालों के लिए सड़कों पर कोई जगह नहीं थी। सिंगापुर में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स खरीदने वालों को सरकार अनुदान देती है। मगर हमारे यहाँ सरकारें मुफ्त रेवड़ियों बाँट रही हैं। सरकारी तंत्र, प्रदूषण से निपटने के काम को कोई ख़ास तवज्जो नहीं देता।बीच-बीच में सुप्रीम कोर्ट के जगाने पर वह कुछ देर के लिए जागता है और फिर राजनीति उसे लोरी सुनाकर निद्रामग्न कर देती है।रिपोर्ट के अनुसार,2010 से लेकर 2015-16 के अवधि में केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने प्रदूषण से निपटने के लिए बहुत कम ठोस कदम उठाए।मगर प्रदूषण के स्त्रोत बढ़ते गए और रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गए। दिल्ली के अन्दर (वाहन और शहर का ठोस कचरा) भी और एनसीआर (निर्माण और उद्योग) में भी।आज दिल्ली में रहना मुहाल हो गया है। सांस लेना मुश्किल हो गया है। नीला आसमान केवल कविता-कहानियों में बचा है। मगर अधिकांश लोगों को कोई परवाह नहीं है। सब कुछ सामान्य है। यमुना का पानी ज़हर बन गया है। मगर सियासी दांवपेंच जारी हैं।आईक्यू एयर के अनुसार, दिल्ली इस वक्त दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। दिल्ली का एक्यूआई 1,156 है। एक्यूआई 335 के साथ कोलकाता तीसरे नंबर पर है, और मुंबई नौवें स्थान पर।वहां का एक्यूआई 165 है। इस प्रकार, दुनिया भर के सबसे प्रदूषित 10 महानगरों में से तीन भारत में है। मगर विश्वगुरु को कोई परवाह नहीं है। वह तो प्रगति' का दीवाना है और बड़ा, और ऊंचा। कचरा उसे तो हम कल साफ़ कर लेंगे। मगर वह नहीं समझ रहा है कि कल तो आज ही है- और आज न होगा तो कल भी न होगा। काश लोग समझ पाते कि अगर सांस लेने के लिए साफ़ हवा ही नहीं है, तो विश्वगुरु होने का क्या मतलब है।

-श्रुति व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कविता
जाड़

घटती-घटना
लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद, छत्तीसगढ़

जाड़ हा अपन रंग ला देखावत हे
सबो मइन्खे के दांत कटकटावत हे
डोकरी दाई गोरसी ला सिपचावत हे
बबा हा आगी ला देख तिरयावत हे!
बिहाने कोहरा हा छाए हे
बेरा हा कईशे लुकाए हे
जाड़ हा तन मा समाए हे
घाम जम्मो ला सुहाए हे!
पंखा हा कोंटा मा तिरयावत हे
कथरी कमरा हा अघवावत हे
जम्मो तन मा सुग्घर ढकावत हे
सबो जाड़ ला हमर भगावत हे!
लइका कहत हे स्वेटर कब लाबे
बाई कहत हे मफलर कब लाबे
दाई कहत हे बेलांकिट कब लाबे
जम्मो कहत हे बसंत तै कब आबे!
दिन हा अभी जल्दी जावत हे
रात हा तो बड़ असकटावत हे
लइका हा कोरा मा हमावत हे
सियान के तन हा कपकपावत हे!

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

रिश्तेदार ने ही अपने साथी के साथ मिलकर की थी जिपं उपाध्यक्ष के घर लाखों की चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर नगर पंचायत उपाध्यक्ष के सूने मकान में चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसमें से मुख्य आरोपी नपं उपाध्यक्ष का रिश्तेदार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लाख 94 हजार 622 रुपए नकदी व सोने-चांदी का जेवरात बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मामले का खुलासा करते हुए एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि सीतापुर थाना क्षेत्र के शंकर वार्ड निवासी विनिप गुप्ता 17 नवंबर को शादी में शामिल होने सह परिवार बाहर गए थे। घर में ताला बंद था। इस दौरान रात करीब 9 से 11.30 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति द्वारा मकान का ताला तोड़कर 13 लाख रुपए नकदी व लगभग 2 लाख रुपए का सोने चांदी का जेवरात पार कर दिया था। विनिप गुप्ता ने मामले की रिपोर्ट 18 नवंबर को सीतापुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। पुलिस जब घटनास्थान का निरीक्षण किया तो मौके पर घटना में प्रयुक्त एक लोहे का सब्बाल व पेचकश बरामद किया था। पुलिस ने आरोपियों के आने-जाने के रास्ते पर लगे दर्जनों सीसीटीवी फुटेज खंघाले। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना में प्रयुक्त सब्बल व पेचकश बतौली स्थित एक हार्डवेयर दुकान से खरीदने की जानकारी प्राप्त हुई। सीसीटीवी फुटेज के निशानदेही पर पुलिस ने संदेही आयुष उर्फ रोशन उर्फ हिमांशु पिता दिनेश साहू उम्र 21 वर्ष, उमेश उर्फ नानदाऊ पिता कमलेश्वर साहू उम्र 20 वर्ष निवासी छिंदडांड थाना बैकुंठपुर जिला कोरिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपियों ने घटना को वारदात अंजाम देने की बात स्वीकार की। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर उप निरीक्षक रघु राम भगत, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सीपी तिवारी, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक अनुज जायसवाल, वीरेंद्र पैकरा, मनीष सिंह, रमेश राजवाड़े, संजीव चौबे, अमित विश्वकर्मा, सत्येंद्र दुबे, आनंद गुप्ता, अलोक गुप्ता, सूरजबली, सुनिल पैकरा, सैनिक रमेश कुमार सक्रिय रहे।

मुख्य आरोपी को घर की थी पूरी जानकारी

घटना के मुख्य आरोपी आयुष जिपं उपाध्यक्ष का रिश्तेदार है। वह विनिप गुप्ता के घर अक्सर आना जाना करता था। घटना से कुछ दिन पूर्व छठ में भी वह जिपं उपाध्यक्ष के घर आया था। उसे घर की पूरी जानकारी थी। 17 नवंबर को विनिप अपने सह परिवार शादी में शामिल होने जाने वाला है। इसकी भी मुख्य आरोपी को पूर्व से जानकारी थी। इस लिए वह रात में अपने दोस्त के साथ आकर घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि जिस शादी में विनिप गुप्ता गए थे वहां आयुष को भी निमंत्रण था। पर वह शादी में नहीं गया था और घटना दिवस अपने साथी उमेश के साथ बाइक से सीतापुरर आया और कॉलेज के पास बाइक खड़ी कर स्कूल के छत की ओर से मकान में चढक़र ऊपर का ताला सब्बल से तोडक़र अंदर घुसा था। घर के अंदर घुसने के बाद रूम का चाभी खोजकर आलमारी को खोलकर तिजोरी में रखे 13 लाख रुपये नकद एवं 2 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिया था। घटना से कुछ दिन पूर्व छठ में मुख्य आरोपी विनिप गुप्ता के घर आया था। उस दौरान जो जूता वह पहना था वही जूता पहनकर घटना को अंजाम दिया था। जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था। जूते के आधार पर घर वाले उसे पहचान कर लिए और पुलिस ने उसे हिरसत में लिया था।

7.94 हजार नकदी जब्त

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के रुपए में से 7 लाख 94 हजार 622 रुपए बरामद किया है। इसके अलावा चोरी के जेवरात, घटना में प्रयुक्त बाइक, सहित अन्य सामान बरामद किया है। वहीं आयुष ने चोरी के रुपए में से 20 हजार उमेश को दिया था। उक्त रुपए वह वह मोबाइल खरीदा था। जिसे पुलिस ने जब्त किया है।

धूमधाम से मनाया जाएगा खिस्त राजा पर्व,निकलेगी शोभायात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांती इस वर्ष भी मसीही समाज द्वारा खीस्त राजा पर्व 24 वम्बर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर समाज द्वारा ोभायात्रा निकाली जाएगी। माहागिरजाघर नवापारा के पल्ली पुरोहित फादर ार्ज ग्रे कुजूर ने बताया कि काथलिक सभा,काथलिक महिला संघ, ाथलिक युवा संघ व समस्त कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक महागिरजा र परिसर में समपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मती से यह निर्णय लिया गया है क सरगुजा धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई व ल्ली पुरोहित महागिरजाघर की देख रेख में शोभा यात्रा के कार्यक्रम मपन्न होंगे। इस दौरान मसीही समाज द्वारा शोभायात्रा निकाली जाएगी जो ी नवापारा महागिरजाघर से प्रारंभ होगी और गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम ौक, महामाया चौक, गुरूनानक चौक, गुदरी चौक, जीईएल चर्च, जोड़ा ोपल चैक, आकाशवाणी चौक, उर्सूलाईन, बिशप हाउस से होते हुए संत ेवियर स्कूल प्रांगण में समाप्त होगी।

पिकअप की टक्कर से घायल स्कूटी सवार शिक्षिका की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

14 नवंबर की सुबह शहर के बिलासपुर रोड में पिकअप ने स्कूटी सवार ो शिक्षिका व साइकिल सवार को टक्कर मार दी थी। साइकिल में दो मासूम च्चे भी बैठे थे। दुर्घटना में एक शिक्षका व दोनों बच्चे घायल हो गए थे। ोक्षिका को इलाज के लिए जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां लाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं दोनों मासूम बच्चों का इलाज मिशन स्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार प्रिया विश्वकर्मा पति ऋषिकांत गांधीनगर थाना ेत्र के महुआपारा की रहने वाली थी। वह 14 नवंबर की सुबह स्कूटी से ूजा पांडेय के साथ डीएवी स्कूल पढ़ाने स्कूटी से जा रही थी। तभी णिपुर थाना क्षेत्र के बिलासपुर रोड स्थित भिट्ठीकला के पास पिकअप ने क्कर मार दी थी। इस दौरान अनियंत्रित पिकअप ने साइकिल सवार को ी टक्कर मारी थी। साइकिल में दो मासूम बच्चे भी बैठे थे। दुर्घटना में ोक्षिक प्रिया विश्वकर्मा व दोनों बच्चे घायल हो गए। वहीं पूजा पांडेय को ामूली चोट आई थी। परिजन प्रिया को जेजे अस्पताल में भर्ती कराया ा। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं दोनों मासूम बच्चों का लाज मिशन अस्पताल में चल रहा है।

बेटे को केस में पकड़े जाने की धमकी देकर सेवानिवृत डिप्टी रेंजर से 50 हजार की ठगी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

क्राइम ब्रांच से बोल रहा हूं आपके बेटे को एक केस में पकड़ लिया हूं कह कर सेवानिवृत डिप्टी रेंजर से 50 हजार रुपए ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कृपाशंकर गुप्ता रामानुजगंज रोड स्थित संजय पार्क के पास रहता है। वह वन विभाग में डिप्टी रेंजर से सेवानिवृत है। 20 नवंबर की दोपहर इसके मोबाइल प एक अज्ञात व्यक्ति का व्हाट्सअप कॉल आया और रिसिव करने पर बोला गया कि मैं क्राइम ब्रांच से बोल रहा हूं, आपका लडक़ा को एक केस में पकड़ लिया है। अगर उसे छुड़ाना चाहते हो तो मेरे बताए गए खाता नंबर पर 50 हजार रुपए जमा करो। सेवानिवृत डिप्टी रेंजर डर कर दिए गए खाता नंबर पर 50 हजार रुपए डाल दिया। बाद में जब उसका लडक़ा घर आया तो पता चला की ठगी हो गई है। कृपाशंकर ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

लॉ एंड ऑर्डर के संबंध में कलेक्टर-एसपी ने ली राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग को संयुक्त प्रयास करते हुए आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि लोक शांति भंग करने वाली गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। अपने सूचना तंत्र को मजबूत करें, ताकि किसी भी घटना की सूचना आप तक पूर्व में पहुंच जाएं, जिससे समय पर कार्यवाही हो।

बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने कहा कि धरना प्रदर्शन, रैली, जुलूस के समय पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें। यदि किसी स्थान पर चक्काजाम की स्थिति निर्मित होती है, तो सबसे पहले लोगों को समझाएं, सम्बन्धित विभाग के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहें। बाउंड ओवर की कार्यवाही के बाद संबंधित थाने को भी सूचित करें जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग हो सके। उन्होंने कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ब्लैक स्पॉट पर नियमित रूप से भ्रमण एवं निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली असामाजिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखें एवं ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर जानकारी एकत्र करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्थानीय निर्वाचन होने वाले हैं, इसके लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित करें। आम जनता पर प्रशासन के प्रति भरोसा रहे। लोगों के प्रति संवेदनशील रहें तथा गम्भीरतापूर्वक ढंग से अपने दायित्व का निर्वहन करें। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों सहित राजस्व एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय कार्य में लापरवाही पर भृत्य निलंबित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अपने कार्य में लगातार लापरवाही बरतने पर कार्यालय एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना अम्बिकापुर में कर्तव्यस्थ भृत्य जेम्स तिर्की को एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना के परियोजना प्रशासक द्वारा निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला अंत्यावसायी कार्यालय व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र अम्बिकापुर जिला सरगुजा से कार्यालय एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना अम्बिकापुर में कर्तव्यस्थ भृत्य जेम्स तिर्की के द्वारा अलग-अलग मामलों में लोगों से दुर्व्यवहार किए जाने और पूर्व में भी शासकीय कार्यों में स्वेच्छाचारिता एवं अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने संबंधी लापरवाही पर उक्त व्यक्ति द्वारा शासकीय नियमों का निरंतर उल्लंघन पाया गया है।

शेड के नीचे युवक की मिली लाश,ठंड से मौत की आशंका

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के घड़ी चौक के समीप शुक्रवार को शेड के नीचे एक युवक की लाश मिली है। युवक की पहचान गांधीनगर थाना क्षेत्र निवासी इंद्रजीत चौहान के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि वह शराब पीन का आदि था। संभवत- गुरुवार की रात शराब के नशे में पूरी रात ठंड में शेड के नीचे पड़ा रहा गया और उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस शव का पीएम कराकर परिजन को सौंप दिया है। आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार है।

इंद्रजीत चौहान पिता फुलेश्वर उम्र 40 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह शहर के गुदरी बाजार स्थित बाबरा कंप्लेक्स में काम करता था। वह शराब पीने का आदि था और सप्ताह में एक दो दिन ही घर जाता था। शुक्रवार की सुबह शहर के घड़ी चौक स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के समीप शेड के नीचे उसकी पड़ी हुई थी। लोगों ने देखा तो घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और शव का पीएम करवाकर परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि इंद्रजीत चौहान शराब पीने का आदि था। संभवत- गुरुवार की रात शराब के नशे में पूरी रात शेड के नीचे पड़ा रह गया और ठंड के कारण उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

हाथी प्रभावित ग्रामीण मुआवजा पाने 1 वर्ष से वन विभाग कार्यालय का लगा रहा चक्कर

मिला सिर्फ आश्वासन

- संवाददाता -
लखनपुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर वन परीक्षेत्र के ुदूर वनांचल हाथी प्रभावित ग्राम पटकुरा के ादिवासी जनजाति का ग्रामीण मुआवजा ाने पिछले एक वर्ष से वन विभाग कार्यालय ा चक्कर लगाने को मजबूर है। वन विभाग क अधिकारियों के द्वारा आश्वासन के बाद ी आज तक ग्रामीण को मुआवजा से नहीं ल सका। मिली जानकारी के मुताबिक हाथी भावित क्षेत्र ग्राम पटकुरा निवासी सोन साय झवार के घर को जुलाई माह 2023 में थियों द्वारा तोड़ दिया गया था। सूचना पर न विभाग मौके पर पहुंचा और मुआवजा करण तैयार किया गया। परंतु एक वर्ष बीत ाने के बाद भी ग्रामीण को मुआवजा नहीं ल सका मुआवजा पाने ग्रामीण वन विभाग ार्यालय का चक्कर लगा रहा है। जब ग्रामीण खनपुर वन विभाग कार्यालय पहुंचा और मुआवजा को लेकर वन परीक्षेत्राधिकार मेरी लिली लकड़ा से मिलकर आवेदन दिया वन परीक्षेत्राधिकार के द्वारा जल्द ही मुआवजा दिलाया जाने का आश्वासन दिया गया था। लगातार ग्रामीण कार्यालय का चक्कर लगा रहा है ना तो अधिकारी फोन उठा रहे हैं और ना ही कार्यालय में उनसे मुलाकात हो पा रही है। आखिर कब तक आदिवासी ग्रामीण को मुआवजा पाने कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ेगा यह तो देखने वाली बात होगी। गौरतलब है कि लखनपुर वनपरीक्षेत्र अधिकारी मेरी लिली लकड़ा आए दिन कार्यालय में नदारत रहती है। यही नहीं वन परीअधिकारी लखनपुर में निवास में न करके जिला मुख्यालय अंबिकापुर में निवास करती हैं।वन विभाग कार्यालय में आने वाले लोगों से मुलाकात नहीं होने तथा फोन से संपर्क करने पर उनके द्वारा फोन भी रिसीव नहीं किया जाता है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर है।

हाथी प्रवाहित ग्रामीण के मुआवजे के संबंध में उनसे बात करना चाहा तो रेंजर कार्यालय से नदारत मिली और फोन लगाने पर उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया। इसलिए उनका पक्ष नहीं लिया जा सका।

लखनपुर वन परीक्षेत्र अधिकारी
मेरी लिली लकड़ा

युवा पार्षद विकास वर्मा बने पीजी कॉलेज के सांसद प्रतिनिधि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)। भाजपा के युवा पार्षद विकास वर्मा रिंकू को संभाग के सबसे बड़े महाविद्यालय पी0जी कॉलेज का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। विकास वर्मा नगर निगम के वार्ड क्रमांक 28 भगत सिंह वार्ड से लगतार दूसरी बार पार्षद निर्वाचित हुए है साथ ही साथ भाजपा के युवा विंग भारतीय जनता युवा मोर्चा मे लम्बे समय से विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके है। हंसमुख और मिलनसार रिंकु वर्मा का युवा के बीच एक अच्छा पकड़ है।

ट्रंप ने पाम बॉन्डी को बनाया अटार्नी जनरल, विवाद के बाद मैट गेट्स ने नाम लिया था वापस

नई दिल्ली, 22 नवम्बर 2024। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश का अगला अटार्नी जनरल पाम बॉन्डी को नामित किया है। इससे पहले वह फ्लोरिडा राज्य के अटार्नी जनरल रह चुकी हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद के लिए पहले पूर्व सांसद मैट गेट्स को नामित किया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

अमेरिका के अगले अटार्नी जनरल होंगी पाम बॉन्डी

मैट गेट्स के नाम वापस लेने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने पाम बॉन्डी का नाम देश के अगले अटार्नी जनरल के रूप में आगे बढ़ाया है। दरअसल, कथित यौन दुराचार विवाद में नाम आने पर मैट गेट्ज को डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ ही अपनी रिपब्लिकन पार्टी के भी कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा था। इस विरोध से परेशान होकर उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

मैट गेट्ज ने लिया पद से नाम वापस

बता दें कि कथित यौन दुराचार विवाद में नाम आने पर मैट को डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ ही अपनी रिपब्लिकन पार्टी के भी कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा था। विगत दिनों एक बयान में अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि मुझे फ्लोरिडा के पूर्व अटार्नी जनरल पाम बॉन्डी को अमेरिका के अगले अटार्नी जनरल के रूप में नामित करते हुए गर्व महसूस हो रहा है।

अगले साल 20 जनवरी को राष्ट्रपति बनेंगे ट्रंप

आगे उन्होंने कहा कि पाम बॉन्डी ने लगभग 20 वर्षों तक अभियोजक के रूप में काम किया और उस दौरान उन्होंने अपराधियों के प्रति सख्त रुख अपनाकर फ्लोरिडा को लोगों के लिए सुरक्षित स्थान बनाया। इसी माह की 05 तारीख को डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत हासिल की है। चुनाव में मिली जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन को आकार देने में जुटे हैं। अभी तक निवनिर्वाचित राष्ट्रपति रक्षा और विदेश मंत्रियों समेत कई अहम पदों के लिए नामों की घोषणा कर चुके हैं। वह 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

इजरायल ने खालिद अबू-दाका किया ढेर, फलस्तीन के जिहाद समूह का था कमांडर

यरुशलेम,22 नवम्बर 2024। इजरायल ने एक बार फिर फलस्तीन पर हमले तेज कर दिए हैं। इजरायल के इस हमले में आज इस्लामिक जिहाद आतंकी समूह की रॉकेट यूनिट का कमांडर ढेर हो गया है। कमांडर खालिद अबू-दाका को इजरायली सेना ने मार गिराया है।

आईडीएफ और इजरायल सुरक्षा बलों (शिन बेट) के संयुक्त बयान में कहा गया है उन्हें आज एक और बड़ी सफलता मिली है। बयान में यह भी कहा गया है कि अबू-दाका को कल निशाना बनाया गया, जब वह मध्य गाजा में डेर अल-बलाह मानवीय क्षेत्र में काम कर रहा था।

इजरायल ने नागरिकों को नहीं बनाया निशाना

बता दें कि इजरायल में पिछले साल 7 अक्टूबर को हुए हमले में अबू-दाका ने ही अटैक की निगरानी की थी। बयान के अनुसार, आज इजरायल ने हमले से पहले नागरिकों के लिए जोखिम को कम करने के लिए व्यापक उपाय किए थे, जिसमें सटीक गोला-बारूद, सटीक खुफिया जानकारी और हवाई निगरानी का उपयोग शामिल था।

हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा मकानों के क्षति होने पर मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि में हुई वृद्धि

- संवाददाता -

अम्बिकापुर, 22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा वनवृत्त के मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा हिंसक वन्यप्राणियों से सामान्य क्षेत्रों में पक्का या कच्चा मकान दोनों तरह के मकानों के क्षति होने पर क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि की गयी है। जिसमें पहले पक्के या कच्चे मकानों की 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान 95100 रुपए का भुगतान किया जाता था, लेकिन अब 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान रूपये 120000 रुपए का भुगतान किया जायेगा। इसमें लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार पहाड़ी क्षेत्रों के लिए पक्का या कच्चा मकान दोनों तरह के मकान पूर्ण क्षतिग्रस्त होने पर प्रति मकान रूपये 101900 रुपए दिए जाते थे, लेकिन अब 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान रूपये 130000 रुपए निर्धारित किया गया है। इसमें लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा इस प्रकार क्षतिपूर्ति की राशि में वृद्धि होने पर ग्रामीण लाभान्वित होंगे और हाथी मानव द्वन्द में आवश्यक रूप से कमी होना स्वाभाविक है।

4 दिसंबर तक आयोजित होगा 'पुरुष नसबंदी

मोर मितान मोर संगवारी के माध्यम से दूर की जाएँगी शंकाएं'

दो चरणों में होगा आयोजन,पहले चरण में चलेगा दंपती संपर्क सप्ताह तथा दूसरे चरण में उपलब्ध कराई जाएंगी सेवाएं...

- संवाददाता -

अम्बिकापुर, 22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार से जिले में पुरूष नसबंदी पखवाड़ा चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री पी.एस.मार्को ने बताया कि यह पखवाड़ा दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें पहला चरण मोबिलाइजेशन और दूसरा सेवा वितरण चरण के रूप में मनाया जाएगा। इस वर्ष पुरूष नसबंदी पखवाड़ा ''आज ही शुरूआत करें, पति-पत्नी मिलकर परिवार नियोजन की बात करें'' के थीम पर मनाया जाना है। पखवाड़े के पहले चरण में लाभार्थियों को पुरुष नसबंदी की जानकारी दी जा रही है और उन्हे इसे अपनाने के लिए तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरे चरण में सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता ''मोर मितान मोर संगवारी'' का आयोजन करेंगे जिसमें वह अपने क्षेत्र के समस्त लक्षित दंपतियों के पुरुषों से संपर्क कर व्यक्तिगत चर्चा में नसबंदी के फायदे बताएंगे और साथ ही समुदाय में फैले हुए पुरुष नसबंदी से संबंधित मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने के लिए परामर्श करेंगे। इस दौरान मुख्यतः वैसेक्टोमी यानी पुरुष नसबंदी पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा ।

उन्होंने बताया कि जिले में मैदानी स्तर पर जागरूकता तथा नसबंदी को बढ़ावा देने हेतु पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, बीईटीओ तथा मितानिनों को व्यक्तिगत चर्चा एवं परामर्श पुरूष नसबंदी के फायदे को हितग्राहियों तक प्रचारित करने तथा पुरूष नसबंदी को बढ़ावा देने हेतु मोर मितान मोर संगवारी के माध्यम शंकाएं दूर करने किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

सिविल सर्जन डॉ जे के रेलवानी ने बताया बढ़ती जनसंख्या को लेकर पूरा देश और विश्व चिंतित है। हम परिवार नियोजन के साधनों को इस्तेमाल करें और जो गलतफहमियां समाज में हैं उसे दूर करें, कई लोग ये मानते हैं कि पुरुष नसबंदी के बाद कई दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ता है और स्वास्थ्य लाभ लेना पड़ता है, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। परिवार नियोजन के तहत नसबंदी का ऑपरेशन 20 मिनट में पूरा हो जाता है, 24 घंटे के बाद आदमी अपना सामान्य काम भी करने लगता है। नोडल अधिकारी डॉ रोजलीन आर एक्का ने बताया कि पखवाड़े का उद्देश्य लोगों का ध्यान प्रजनन स्वास्थ्य समस्याओं की ओर भी दिलाना है क्योंकि खराब स्वास्थ्य दुनिया भर में गर्भवती महिलाओं की मौत का प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में नसबंदी उपरांत हितग्राहियों हेतु प्रावधानित प्रोत्साहन या प्रतिपूर्ति राशि अंतराल महिला नसबंदी को 2 हजार प्रसवोत्तर महिला नसबंदी को 3 हजार रुपए एवं पुरूष नसबंदी को 3 हजार रूपए की राशि प्रदाय की जाती है।

कबाड़ियों पर पुलिस का शिकंजा

22 लाख नकद और भारी मात्रा में सामान जब्त,सुबह की कार्रवाई से मचा हड़कंप

- संवाददाता -

जशपुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने कबाड़ियों पर बड़ी कार्रवाई की है। आज सुबह 4 बजे पुलिस ने छापा मारकर 22 लाख रुपये नकद और भारी मात्रा में कबाड़ का सामान जब्त किया। महिला कबाड़ी के पास इतनी बड़ी रकम मिलने से पुलिस भी हैरान है। पूछताछ के बाद पुलिस ने नगदी से संबंधित जानकारी इनकम टैक्स विभाग को सौंप दी है।

एसपी शशि मोहन सिंह के निर्देश पर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए यह कार्रवाई की गई। सुबह-सुबह अचानक छापेमारी से कबाड़ व्यवसाय से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। कांसाबेल में तलाशी के दौरान पुलिस ने जशपुर रोड निवासी पूनम साहू के ठिकाने से 22 लाख 30 हजार रुपये नकद और करीब 5 लाख रुपये के बर्तन, टुल्लू पंप सहित अन्य सामान जब्त किया। इतनी बड़ी रकम मिलने पर पुलिस ने पूनम साहू से पूछताछ की और नगदी से संबंधित जानकारी इनकम टैक्स विभाग को दी।

कांसाबेल क्षेत्र के ग्राम पोंगरो में युनूस खान और आशीष कुमार उर्फ मंटू के ठिकानों पर भी दबिश दी गई। वहीं पत्थलगांव के बड़े कबाड़ी सुंदर अग्रवाल के पास से एक ट्रक कबाड़, पिंटू खान और विक्की अग्रवाल के कब्जे से एक-एक पिकअप कबाड़ जब्त किया गया। गिनाबहार (कुनकुरी) में कबाड़ी निजाबुल आलम के गोदाम से शासकीय सप्लाई के झूले और रेलिंग समेत अन्य सामान, जो करीब एक पिकअप मात्रा का है, जब्त किया गया। इन मामलों में विस्तृत जांच जारी है।

सिटी कोतवाली क्षेत्र में भी बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। इसमें पुराने कबाड़ी रबूल खान के कॉलेज रोड स्थित गोदाम, टिपू कबाड़ी के विष्णु बगान क्षेत्र के गोदाम और पंकज कबाड़ी के डीपाटोली स्थित गोदाम की तलाशी ली गई। सभी मामलों में पुलिस ने धारा 106 BNSS के तहत कार्रवाई की है।

शासन द्वारा जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं के निराकरण हेतु जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

लुण्ड्रा के ग्राम छेरमुण्डा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 173 आवेदनों का निराकरण

» हितग्राहियों को सहायता राशि, हितग्राही मूलक सामग्री,दस्तावेज, आदि का हुआ वितरण

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में लगातार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को विकासखण्ड लुण्ड्रा के ग्राम छेरमुण्डा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 173 हितग्राहियों को आवेदनों का निराकरण करते हुए सहायता राशि, आवश्यक दस्तावेज सहित हितग्राही सामग्रीमूलक सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में कलेक्टर श्री विलास भोसकर, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने इस अवसर पर कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इस शिविर के माध्यम से शासन की मंशा है कि जमीनी स्तर पर विभाग और अधिकारी पहुंचे और आमजनों की समस्या से अवगत होकर उनका निराकरण करें। इसी लक्ष्य के साथ जिले के जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी भी शिविर में उपस्थित रहते हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार यह शिविर मुख्य रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा शिविर की पूर्व सूचना ग्राम में दी जाती है जिससे ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों को लाभ मिल सके और हर शिविर में इसी प्रक्रिया का अनुसरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर आपकी मदद के लिए किए जा रहे हैं, उनका फायदा जरूर उठाएं। विभागों द्वारा सर्वे के दौरान अपने आवेदन अवश्य दें जिससे समय में निराकृत हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि धान खरीदी जारी है, समय पर धान विक्रय हेतु उपार्जन केंद्र ले जाएं। उन्होंने शिविर में किसानों को ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन कटवाए जाने की सुविधा शासन द्वारा दिए जाने की भी जानकारी दी जिससे किसान को समिति जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा माइक्रो एटीएम की सुविधा भी समितियों में मिलेगी जहां से 10 हजार तक की राशि निकाली जा सकती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिसमें पीएम जनमन योजना के तहत पीवीटीजी बसाहटों में लोगों को विभिन्न सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी तरह जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना एक क्रांतिकारी योजना है जो आदिवासी समुदाय के विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

अपर कलेक्टर सुनील नायक ने शिविर में प्रतिवेदन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर से पूर्व राजस्व, शिक्षा, खाद्य, पंचायत, समाज कल्याण, कृषि उद्यान, श्रम और स्वास्थ्य के आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 173 आवेदन निराकृत कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा विभागीय अधिकारी एवं टीम गांव जाकर लोगों से आवेदन लें और गुणवत्तापूर्ण निराकरण समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने किसानों से अपील की कि आवश्यकता अनुरूप किसान अपना खाता बंटवारा जरूर करा लें जिससे शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने में आसानी हो।

सहायता राशि, हितग्राही मूलक सामग्री,दस्तावेज का वितरण

शिविर में मुख्य अतिथि श्री मिंज एवं कलेक्टर श्री भोसकर ने हितग्राहियों को सहायता राशि, आवश्यक दस्तावेज सहित हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण किया। जिसमें विधायक स्वेच्छानुदान सहायता राशि के तहत 10 हितग्राहियों को पांच पांच हजार की रुपए की राशि चेक का वितरण किया गया। इसी तरह खाद्य विभाग अंतर्गत 90 हितग्राहियों को राशन कार्ड, राजस्व विभाग के अंतर्गत फौती नामांतरण, बंटवारा सहित विभिन्न मामलों के 14 प्रकरणों का निराकरण, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 15 हितग्राहियों को जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रोत्साहन राशि, श्रम विभाग अंतर्गत 15 हितग्राहियों को श्रम कार्ड, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत 10 हितग्राहियों को परिवार सहायता, शिक्षा विभाग अंतर्गत 05 छात्र छात्राओं को जाति प्रमाण-पत्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 07 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, उद्यानिकी एवं कृषि विभाग के 17 हितग्राहियों को स्प्रेयर पंप, विद्युत पंप जैसी हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड और 03 विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को आवास पूर्णता पर प्रतीकात्मक रूप से चाभी और घड़ी प्रदाय की गई। जनसमस्या निवारण शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

CMYK

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 का उद्घाटन मैच हुआ संपन्न

-बागी कलम-
अनूपपुर,22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

नगर परिषद डूमरकछार (पौराधार) मे व्हाइट टाइगर समिति एवं नगर परिषद के सहयोग से टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 का उद्घाटन मैच 22 अक्टूबर को निकाय अंतर्गत वार्ड क्रं 1 मे संपन्न हुआ। मैच का शुभारंभ भारत माता के छाया चित्र पर पुष्प सुमन अर्पित कर, दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगान के उपरांत किया गया। कार्यक्रम मे निकाय अध्यक्ष व जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया मुख्य अतिथि, उपक्षेत्रीय प्रबंधक रामनगर उपक्षेत्र एम.पी सिंह, खान प्रबंधक झिरिया भूमिगत खदान आर.बी. नेताम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनोहर बिंझवार, विशिष्ट अतिथि तथा सभापति रवि सिंह, जीतेंद्र चौहान, रंजीत कुमार वर्मा, पार्षदगण निर्भय नारायण राव, चंदा देवी महरा व अन्य जनप्रतिनिधि अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। पधारे हुए अतिथियों का व्हाइट टाइगर समिति व सहयोग मे लगे परिषद के कर्मचारियों के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

बड़ी संख्या मे लोग रहे उपस्थित

इस अवसर पर उपयंत्री शिवराम इडपाचे,पार्षद पति योगेश पालीवाल,रमेश यादव,राजेन्द्र महरा नागरिकगण एवं खेल प्रेमी रामनारायण यादव, अनूप सिंह, नलिरंजन महाता, सुजीत पाण्डेय, संजीत दूबे,आलोक मित्रा परिषद के कर्मचारी सत्येन्द्र चौहान, तीरथ पनिका, मुन्नापाल, धीरेंद्र सिंह,अनुरूद्ध प्रसाद दाहिया, विजय यादव, व्हाइट टाइगर समिति के सदस्य व आयोजकर्ता गौरव महाता, करूणा निधान सिंह, एजाज अहमद, विपिन दूबे, विनोद श्रीवास्तव, अविनाश यादव, अंतोष कुमार साव, अमित सिंह, नवीन शर्मा,अंकुश सिंह, विशाल, शिवा,जावेद, कमल, राजीव, रमाकांत साहू, मनीष, सूर्यकांत साहू, सुनील कुमार गुप्ता, तथा आस पास के क्षेत्र से पहुंचे खिलाड़ी प्रेमी समेत बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन अखिलेश सिंह परिहार के द्वारा किया गया ।

फाइनल मैच 01 दिसबंर को होगा संपन्न

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 का प्रथम मैच का शुरूआत 22 नवंबर से हुआ है जिसका फाइनल मैच 01 दिसबंर को संपन्न होना सुनिश्चित है। मैच के प्रथम दिन मे खोंगापानी की टीम माही-11 और फुलवारी टोला की टीम टाइगर-11 के बीच मुकाबला हुआ। माही-11 की टीम ने 10 ओव्हर पे 161 रन व टाइगर-11 की टीम ने 10 ओव्हर में 57 रन दर्ज की इस तरह माही-11 की टीम ने 104 रन की बढ़त से जीत हासिल की। इसके उपरांत व्हाइट टाइगर पौराधार की टीम और स्थानीय विक्रमादित्य वार्ड नं 10 की टीम के बीच रोचक मुकाबला हुआ। जिसमे व्हाइट टाइगर को 196 रन और विक्रमादित्य वार्ड ने 93 रन बनाये। जिसमे व्हाइट टाइगर ने 100 रनो से बाजी मारी, उक्त टीमों ने बेहतर फिल्डिंग गेंदबाजी का प्रदर्शन किया वही शानदार बल्लेबाजी कर आज के मैच मे 23 बॉल पर 80 रन बनाकर छक्के चौको से माही 11 टीम के जीतेंद्र ने मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया।

उरगा पुलिस द्वारा अवैध कच्ची महुआ शराब बनाने बिक्री करने वाले पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अति0 पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान, नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी एवं नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के परिपालन में थाना प्रभारी उरगा निरीक्षक युवराज तिवारी के नेतृत्व में उरगा पुलिस टीम के द्वारा लगातार कार्यवाही कि जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 22.11.2024 को मुखबीर से सूचना के आधार पर ग्राम भैसमा

बाजार के पास एक व्यक्ति लाल काला रंग के हौंडा साइन मोटर साइकिल क्रमांक CG12BA 7611 मे अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बिक्री करने के लिए परिवहन करने वाला है सूचना के स्थान पर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किये जहां मौके पर एक व्यक्ति उपस्थित मिला जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम विशाल पावले पिता संजय पावले उम्र 24 वर्ष साकिन शंकर नगर इंडस्ट्रियल एरिया थाना सिविल लाइन कोरबा का रहने वाला बताया बिक्री करने हेतु कच्ची महुआ शराब परिवहन करना स्वीकार किया उसके कब्जे से 15 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं मोटर साइकिल को कब्जा पुलिस लिया गया। थाना उरगा में अपराध क्रमांक 488/2024 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम पंजीबद्ध कर प्रकरण में आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर विवेचनादौरान न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है ।

विकासखंड भैयाथान के स्कूलों और महाविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ बने बाल विवाह रोकथाम के एंबेसडर

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिले में बाल विवाह और बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों की जानकारी विकासखंड भैयाथान स्कूलों और महाविद्यालय में छात्र छात्राओं को इस विषय पर जागरूक किया जा रहा है। शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय भैयाथान, पंडित रविशंकर त्रिपाठी महाविद्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में बाल विवाह और बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशाला का आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

श्री मनोज जायसवाल ने विद्यार्थियों को बाल विवाह, बाल संरक्षण कानूनों, और सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया। अपने अनुभव साझा करते हुए, उन्होंने वास्तविक जीवन की कुछ केस स्टडी के माध्यम से बाल विवाह के गंभीर परिणामों को समझाया जायसवाल ने पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाने के प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों को गलत तरीके से घूरना, पीछा करना, रास्ता रोकना, आपत्तिजनक चित्र दिखाना या अनुचित रूप से छूना भी कानूनन अपराध है। गुड टच और बैड टच की पहचान करने और पॉक्सो अधिनियम के तहत सुरक्षा के लिए तीन प्रमुख उपाय - नो (विरोध करना), गो (घटना स्थल से भागना), और टेल (किसी विश्वसनीय व्यक्ति को बताना) - को समझाया गया। इसके अलावा, एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। उन्होंने जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत बच्चों को नशे से बचाने के लिए बनाए गए प्रावधानों की जानकारी दी। धारा 77 और 78 के अनुसार, बच्चों को नशा कराना या नशे का सामान बेचना अपराध है, जिसमें दोषी पाए जाने पर 1 लाख रूपये तक का जुर्माना और 2 साल की सजा का प्रावधान है।

बच्चों को प्रेरित करने के लिए ''चुप्पी तोड़ो'' गतिविधि का आयोजन किया, जिसमें बच्चों को अपने साथ होने वाली किसी भी गलत घटना के बारे में बोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यशाला में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति के खिलाफ जागरूकता भी बढ़ाई गई। उन्होंने बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम, 1986 के प्रावधान समझाते हुए बताया कि बच्चों से श्रम कराने पर 6 महीने से 2 साल तक की सजा और 20,000 से 50,000 तक का जुर्माना हो सकता है। विद्यार्थियों को साइबर क्राइम और नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने साइबर सुरक्षा के उपायों और नशे से बच्चों को बचाने के लिए समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक श्री प्रथमेश मानेकर ने विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि भारत में बाल विवाह की दरें चिंताजनक हैं, और एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार, सूरजपुर जिले में यह दर 34.4 प्रतिषत है, जो देश में सबसे अधिक है। इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। प्रथमेश ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे बाल विवाह रोकथाम के एंबेसडर के रूप में कार्य करें और समाज में जागरूकता फैलाने में योगदान दें। उन्होंने बाल विवाह की परिभाषा, इसके कारण, नकारात्मक प्रभाव, और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से शिक्षा से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के अधिकार और सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर भी चर्चा की गई। मानेकर ने विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा दी और उन्हें यह समझाया कि उनका छोटा सा प्रयास भी इस गंभीर सामाजिक समस्या को समाप्त करने में बड़ा बदलाव ला सकता है।

चाइल्ड लाइन से शीतल सिंह ने बाल अधिकार, बाल श्रम और चाइल्ड लाइन की सेवाओं के बारे में जानकारी दी और 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन) और 100 (पुलिस हेल्पलाइन) जैसी टोल-फ्री सेवाओं की जानकारी साझा की। सखी सेंटर से साबरिन फ़ातिमा द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर के बारे बताया इसमें सभी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी आश्रय, पुलिस-डेस्क, विधि सहायता, चिकित्सा एवं काउन्सलिंग की सुविधा वन स्टॉप सेन्टर में उपलब्ध होती है। एक ही छत के नीचे हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदाय करता है। इसके बारे में विस्तार से बताया गया।

कार्यक्रम में ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक श्री प्रथमेश मानेकर, प्राचार्य सुखेंद्र प्रताप सिंह शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैयाथान, पंडित रविशकर त्रिपाठी महाविद्यालय भैयाथान के एनएसएस प्रभारी श्री चोलसाय चेरवा, श्रीमती हुमी सिंह, सखी सेंटर से साबरीन फ़ातिमा, चाईल्ड हेल्पलाईन से शीतल सिंह परामर्शदाता, विद्यालयो एवं महाविद्यालय से सभी शिक्षक-शिक्षिका, प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड पर्यटन नीति 2020 के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति के सदस्यों के साथ ली गई बैठक

कुदरगढ़ में रोप-वे निर्माण को लेकर की गई विस्तृत चर्चा

जिले के पर्यटन स्थलों के विकास के संबंध में की गई चर्चा

-संवाददाता-
सूरजपुर ,22 नवंबर 2024 (घटती-घटना)।

आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में छत्तीसगढ टूरिज्म बोर्ड पर्यटन नीति 2020 के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति के सदस्यों के साथ जिला सूरजपुर अंतर्गत विभिन्न पर्यटन स्थलों का विकास के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें समिति के सदस्यों के साथ जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।कुदरगढ़ में रोप-वे निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। रोप-वे के निर्माण को मूर्त रूप देने के लिए नियमानुसार कार्यवाही की बात की गई। जिले के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल का व्यापक प्रचार-प्रसार हो इसके लिए शहर के महत्वपूर्ण जगहों (बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, विश्राम गृह इत्यादि) पर पर्यटन स्थल का पोस्टर लगाया जाएगा। पोस्टर में पर्यटन स्थल का नाम व शहर के केंद्र बिंदु से पर्यटन स्थल की दूरी का चित्रण किया जाएगा ताकि लोकल लोगों के साथ-साथ बाहरी लोग भी जिले के पर्यटन स्थल से परिचित हो सकें। बैठक में जिला स्तरीय पर्यटन समिति के (डीएलटीएस) द्वारा चिन्हांकित पर्यटन/धार्मिक स्थल खोपा देवी धाम, राष्ट्रपति भवन पण्डोनगर, रामेश्वनगर पर्यटन स्थल पर चर्चा की गई। सूरजपुर जिले में राज्य से चिन्हांकित प्रमुख पर्यटन/धार्मिक स्थल कुदरगढ़ धाम, सारासोरो, तमोर पिंगला अभ्यारण्य एवं 28 अन्य प्रमुख पर्यटन/धार्मिक स्थल में से कुमेली फॉल, बॉक, ककरेखा सत्तीपारा इत्यादि में सुविधाओं का विस्तार, केनापारा पर्यटन स्थल के संचालन के संबंध में चर्चा की गई। इसके साथ ही पहाडगांव में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इसे पिलखा पहाड़ के रूप में विकसित किये जाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई और इससे जूड़ी हुई व्यवहारिक चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षण किया गया। इस अवसर पर बैठक में श्री भीमसेन अग्रवाल, गणमान्य सदस्य, एसपी प्रशांत कुमार ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वेदांता लिमिटेड की सामाजिक पहल 2023-24 में करोड़ो रुपये के निवेश से 1.73 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन मे आया सकारात्मक बदलाव

-संवाददाता-
कोरबा,22 नवंबर 2024 (घटती-घटना)।

भारत के विकास में योगदान के लिए वेदांता लिमिटेड की सामाजिक पहल शाखा,अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 में 437 करोड़ रुपये का निवेश किया गया जिससे 1.73 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। इसमें भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) और बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में महत्वपूर्ण योगदान शामिल है। फाउंडेशन की वार्षिक सोशल इम्पैक्ट रिपोर्ट, नर्चरिंग, ट्रांसफॉर्मिंग, लीडिंग इंडियास ग्रोथ स्टोरी, में 153 उच्च प्रभावशाली परियोजनाओं का उल्लेख किया गया है, जो 1,200 से अधिक गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, महिला एवं बाल विकास, कौशल व आजीविका, पशु कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

बालको, वेदांता की सहायक कंपनी है, जो छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एक प्रतिष्ठित एल्युमीनियम निर्माता है। यह अपने परिचालन क्षेत्रों और आसपास के समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बालको अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से इन समुदायों को सशक्त और सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके तहत इन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा, कवर्धा, सरगुजा और रायपुर जिलों के 123 गाँवों में लगभग 1.7 लाख लोगों को लाभ पहुँचाने का लक्ष्य बनाया है। वर्षभर में, स्थायी आजीविका, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक बुनियादी ढाँचे जैसी विभिन्न सामाजिक प्रभाव पहलों के माध्यम से कुल 1,69,056 ज़िंदगियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया गया है।

नगरपालिका निर्वाचन
विज्ञापन का आकार:- **परिशिष्ट-एक**

कार्यालय, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, (स्थानीय निर्वाचन) बलरामपुर,जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

मुद्रण कार्य के लिए निविदा सूचना

क्रमांक- 691 दिनांक - 20/11/2024

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0 में वर्ष 2024-25 में होने वाले नगरीय निकायो (नगरपालिका) के लिए मतपत्रों के मुद्रण हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा फार्म जिसका कि मूल्य रूपये 100/- है) कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में भरी निविदाएं कलेक्टर कार्यालय में दिनांक 03/12/2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक प्राप्त की जाएगी और उसी दिन उपरान्ह 4:00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी।
2. मुद्रण के लिए कागज कलेक्टर द्वारा उपलब्ध कराए जायेंगे।
3. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कलेक्टर कार्यालय में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

(कलेक्टर एवं जि0 निर्वा0अधि0महोदय द्वारा अनुमोदित)

उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय)
हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

जी0नं0 -242503983/1

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:. 202410020700009

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

नमनाकला प.ह.नं.00020

पक्षकारों का विवरण:-

आवेदक पक्षकार-कन्दनी भगत

अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक कन्दनी भगत पति धीरमन राम भगत निवासी टाटीडांड तहसील कासाबेल जिला जशपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 96/5, 107/1 रकबा 0.131, 0.015 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु अवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/12/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/10/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार,रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

क्र0/1893/वाचक/तह./2024
रामानुजगंज,दिनांक- 20/11/2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम रामानुजगंज को सूचित किया जाता हैकि आवेदक मनोज जायसवाल आ0 राजेन्द्र जायसवाल निवासी रामानुजगंज थाना व तहसील रामनुजगंज जिलज्ञ-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0 के द्वारा के पुत्र वैष्णव जायसवाल के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिएआय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि उक्त जांच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोईदावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक06/12/2024 को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 21/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील तहसीलदार रामानुजगंज

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:. 202410020700139

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

सुखरी प.ह.नं.00029

पक्षकारों का विवरण:-

आवेदक पक्षकार-सज्जन राम

अनावेदक पक्षकार-भोन्दू राम,सज्जन राम

ईश्तहार

आवेदक सज्जन राम आ0 ननका राम व अन्य निवासी ग्राम सुखरी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुखरी स्थित भूमि खसरा नंबर 893/11, 950/4,1110/16 रकबा 0.283, 1.020, 0.186 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक भोन्दु का नाम विलोपित कर फैती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है प्रकरण दर्ज हो। ईश्तहार का प्रकाशन हो। हल्का पटवारी से जांच प्रतिवेदन हेतु ज्ञापन जारी हो। अनावेदकगण को नोटिस जारी हो। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/11/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/11/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

क्रमांक 85/वाचक/2024 सूरजपुर,
दिनांक- 12/11/2024

ईश्तहार

एतद् साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण राजेश कुमार राजवाड़े आ0 भूपाल राम राजवाड़े उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम मसिरा, सिरसी (बडकापारा) तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर,छ0ग0 एवं आवेदिका रूना कुर्रे आ0 भुनेश्वर कुर्रे उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम चपदा तहसील ओड़गी जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 15 के तहत, विवाह प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, आवेदन पत्र के साथ शपथ-पत्र उम्र के सत्यापन हेतु अंकसूची की छायाप्रति एवं आधार कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है। जिस पर न्यायालय द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति दावा हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 11.12.2024 को दिन के 2:00 बजे उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत दावा आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

सील अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी सूरजपुर छ.ग.

CMYK

किसानों ने किया डांड़करवां उप तहसील का घेराव समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर प्रदर्शन

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

डांड़करवां उप तहसील के अंतर्गत आने वाले किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर शुक्रवार को धरना प्रदर्शन और आक्रोश रैली निकाली। किसानों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए तीन दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। इस प्रदर्शन का नेतृत्व आदिवासी प्रदेश कांग्रेस महामंत्री शिवभजन सिंह मरावी ने किया।

किसानों ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी भूमि का रकबा कम कर दिया गया है, जिससे उन्हें अपनी उपज का समर्थन मूल्य और उचित मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। धान की खरीदी में गड़बड़ी- किसानों ने आरोप लगाया कि प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का दावा किया गया था, लेकिन रकबा कम होने के कारण उनका धान नहीं खरीदा जा रहा।

नेताओं के वक्तव्य

आदिवासी प्रदेश कांग्रेस महामंत्री शिवभजन सिंह मरावी ने बीजेपी सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं हुए। जमीन का रकबा कम करके बीजेपी सरकार ने अन्नदाता को ठगा है। कांग्रेस शासनकाल में किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य मिलता था, लेकिन वर्तमान सरकार उनकी समस्याओं को अनदेखा कर रही है। भारत गुप्ता ने कहा, पटवारियों द्वारा बिना निरीक्षण के गिरदावरी में मनमानी की गई है। किसानों को अपनी उपज बेचने से वंचित रखा जा रहा है। यदि समस्याएं तुरंत हल नहीं हुईं, तो किसान और भी बड़ा आंदोलन करेंगे।

गिरदावरी में लापरवाही

पटवारी और राजस्व विभाग पर किसानों ने आरोप लगाया कि खेतों का निरीक्षण किए बिना ही गिरदावरी की गई। इससे कई किसानों को अपनी फसल बेचने का मौका नहीं मिला।

समर्थन मूल्य

3100 रुपये प्रति क्विंटल धान की खरीदी की घोषणा के बावजूद किसानों को 23 रुपये प्रति किलो का समर्थन मूल्य और 8 रुपये बोनस का आश्वासन दिया गया। लेकिन बोनस की तिथि तय न होने से किसान असमंजस में हैं।

किसानों का आक्रोश और चेतावनी

किसानों ने कहा कि यदि तीन दिनों में समस्याओं का समाधान नहीं होता, तो वे धान खरीदी प्रक्रिया को बाधित करने और चक्का जाम करने पर विवश होंगे। किसानों ने चेतावनी दी कि इसका सीधा जिम्मेदार छत्तीसगढ़ शासन होगा।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

नायब तहसीलदार ने ज्ञापन लेते हुए किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान 10 दिनों के भीतर किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं स्वयं पटवारी, आरआई और अन्य कर्मचारियों को निर्देशित कर तत्काल कार्रवाई करूंगा।

सुरक्षा व्यवस्था

प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

उपस्थित ग्रामीण और किसान नेता

धरना प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में किसान और ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान भारत गुप्ता, विकास पटेल, अनिल गुप्ता, रनसाय, मोहम्मद अयूब, संजय यादव, नंदकेश्वर यादव, रामसुंदर यादव, अजय पटेल, जानसाय, अखिलेश गुप्ता, सचिन, विजय कुशवाहा, राकेश सारथी, मंगल सिंह जैसे प्रमुख लोग उपस्थित थे। किसानों का यह विरोध प्रदर्शन क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन किसानों की समस्याओं को कितनी गंभीरता से लेता है और समाधान करता है या नहीं।

बलरामपुर जनपद में 25 नवम्बर को होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामपुर 22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 25 नवम्बर 2024 को जिला स्तरीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन जनपद कार्यालय बलरामपुर में प्रातः 11 से 03 बजे तक किया जाएगा। आयोजित प्लेसमेंट कैंप में महामाया ट्रेक्टर शो रूम बलरामपुर, स्वतंत्र माइक्रोफिन, अग्रिम रक्षक सर्विस, एसआईएस, टैंगो सिक्योरिटी सर्विस एवं कैप्स्टोन सर्विस प्रा. लिमिटेड कंपनी उपस्थित होंगे। प्लेसमेंट कैंप में सेल्समैन के 04, फील्ड ऑफिसर के 50, रिलेशनशिप ऑफिसर के 10, सिक्योरिटी गार्ड के 770, सुपरवाइजर के 148, ड्राइवर के 55, गनमैन के 50, सुरक्षा जवान के 200, सुरक्षा अधिकारी के 10, कैश कस्टोरियम के 50, सीसीटीवी ऑपरेटर के 07 पद रिक्त हैं, जिसकी पूर्ति की जानी है। उक्त प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने के लिए इच्छुक उम्मीदवार अपने शैक्षणिक दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि व समय में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 10 दिसम्बर तक

-संवाददाता-
बलरामपुर 22 नवंबर 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाना है। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया प्रारंभ है। सहायक आयुक्त आदिवासी बलरामपुर ने बताया है कि ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि 11 नवम्बर 2024 से अंतिम तिथि 10 दिसम्बर 2024 तक निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार करने के लिए 11 दिसम्बर से 19 दिसम्बर 2024 को रात्रि 12 बजे तक समय घोषित किया गया है। प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 19 जनवरी 2025 दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक दो घंटे आयोजित की जाएगी। आवेदन पत्र भरने के लिए इच्छुक छात्र एकलव्य डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन का प्रयोग कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिले के युवाओं को दिया जाएगा निःशुल्क प्रशिक्षण व स्वरोजगार के लिए करेंगे प्रेरित

-संवाददाता-
कोरिया,22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

जिला कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आज कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और युवाओं को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में बताया गया कि वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोवाइडर (वीटीपी) के पंजीयन हेतु प्राप्त आवेदनों की जांच समिति द्वारा की जाएगी। इस समिति में पॉलिटेक्निक संस्थान के प्राचार्य, जिला कौशल विकास प्राधिकरण के अधिकारी व संबंधित कोर्स के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता

पंजीकृत बेरोजगार युवाओं को काउंसलिंग के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति आधार आधारित बायोमेट्रिक डिवाइस के माध्यम से दर्ज की जाएगी। उपस्थिति अनिवार्य होने पर ही इसे मान्य किया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षक की शैक्षणिक योग्यता कोर्स के निर्धारित मापदंड के अनुरूप प्रमाण पत्र के आधार पर किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम और सीटें

सोलर पीवी इंस्टॉलर, सहायक इलेक्ट्रीशियन, सौर पैनल स्थापना तकनीशियन तथा स्व-रोजगार दर्जी में 60-60 सीटें हैं। वहीं जल वितरण संचयन में 200 सीटें हैं। इसके अलावा ब्यूटी थेरेपिस्ट, रेशम उत्पादन विशेषज्ञ, डेयरी पालन, वाहन चालक, मछली बीज उत्पादक और ऑप्टिकल फाइबर स्पाइसर जैसे कोर्स भी शामिल हैं। प्रशिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता और टीओटी प्रमाणपत्र को अनिवार्य किया गया है। यह सुनिश्चित करेगा कि प्रशिक्षण गुणवत्तापूर्ण और उपयोगी हो। प्रशिक्षण उपरांत उन्हें स्वरोजगार अपनाने के लिए सम्बंधित विभाग प्रेरित करेगी।

कलेक्टर का निर्देश

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कौशल विकास योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और नियोजन सुनिश्चित किया जाए। योजना का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के लिए सशक्त बनाना और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि 700 युवाओं को सालभर में प्रशिक्षण दिया जाना है, जिसकी प्रशिक्षण अवधि 4 घंटे से लेकर 6 घंटे तक हैं। उन्होंने युवाओं खासकर ग्रामीण महिलाओं को भी इसमें शामिल कर ज्यादा से प्रशिक्षण देने पर जोर दिया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को ट्रेड अनुसार तत्काल प्रशिक्षण शुरू करने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंकिता सोम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, पॉलिटेक्निक कॉलेज व आईटीआई के प्राचार्य शामिल थे।

फ्लोरोसिस बीमारी से बचाव के लिए किया जा रहा है जागरूक

प्रभावित बसाहटों में किया गया स्वास्थ्य कैंप का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामपुर,22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

जिले में फ्लोरोसिस बीमारी से बचाव के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा 64 फ्लोरोसिस प्रभावित बसाहटों में कार्ययोजना बनाकर शिविर व स्कूलों में व्यापक प्रचार-प्रसार व उपचार किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया की साफ पानी और पौष्टिक भोजन अच्छी सेहत के लिए सबसे जरुरी चीजों में से एक है। शुद्ध पेयजल का सेवन नहीं करने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्यायों का सामना करना पड़ता है। फ्लोरोसिस भी असुरक्षित पेयजल से होने वाली एक गंभीर बीमारी है, जो शरीर में अत्यधिक फ्लोराइड की मौजदगी के कारण होता है। यह बीमारी अधिक फ्लोराइड वाला पानी पीने से या ज्यादा फ्लोराइड युक्त जल से सिंचित भोजन के सेवन से होता है। फ्लोरोसिस के कारण शरीर की हड्डियां विकृत हो जाती है। फ्लोरोसिस बीमारी से लोग सचेत व जागरूक हो इसलिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर व स्कूलों में बच्चों को जानकारी एवं दन्त चिकित्सक द्वारा दन्त परीक्षण कराया जा रहा है। सभी ग्राम जो फ्लोरोसिस प्रभावित है वहां के पानी की सैंपल भी पीएचई विभाग को फ्लोराइड की मात्रा के जांच हेतु भेजी जा रही है। पीएचई विभाग से रिपोर्ट मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया की स्वास्थ्य विभाग की टीम नियमित रूप से फ्लोरोसिस से प्रभावित गांव में जाकर इससे पीड़ित लोगों का उपचार कर रही है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से भी स्कूलों में फ्लोरोसिस की जांच की जाती है। जिला फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. खुशबू सिंह ने बताया कि फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने से दांतों में पीलापन, समय से पहले दांतों का खराब होना, शरीर की हड्डियों में विकृति और टेड़ापन सामान्य रूप से देखे जाते है। दांतों का रंग बिगड़ना, मांसपेशियों और जोड़ो में दर्द होना, हाथों और पैरों का आगे की तरफ या पीछे की तरफ मुड जाना, लम्बी दुरी तक चलने में असमर्थ होना, पेट में दर्द होना और पेट फूलना भी इस बीमारी के लक्षणों में शामिल है। डॉ. खुशबू सिंह ने बताया कि जिले के 64 बसाहट फ्लोरोसिस से प्रभावित है जिसमे अभी तक विकासखण्ड रामचंद्रपुर के लगभग 12 ग्रामों में दंत चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर कैंप आयोजित की गई है। जिसमें कुल 55 फ्लोरोसिस के मरीज मिले है जिनका उपचार किया गया है। डॉ. खुशबू सिंह ने बताया की पीने के पानी में फ्लोराइड की मात्रा एक पीपीएम होना चाहिए। इससे अधिक मात्रा में फ्लोराइड का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

शासकीय कार्य में लापरवाही पर एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना के भृत्य निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवंबर 2024
(घटती-घटना)।

अपने कार्य में लगातार लापरवाही बरतने पर कार्यालय एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना अम्बिकापुर में कर्तव्यस्थ भृत्य जेम्स तिर्की को एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना के परियोजना प्रशासक द्वारा निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला अंत्यावसायी कार्यालय व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र अम्बिकापुर जिला सरगुजा से कार्यालय एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना अम्बिकापुर में कर्तव्यस्थ भृत्य जेम्स तिर्की के द्वारा अलग-अलग मामलों में लोगों से दुर्व्यवहार किए जाने और पूर्व में भी शासकीय कार्यों में स्वेच्छाचारिता एवं अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने संबंधी लापरवाही पर उक्त व्यक्ति द्वारा शासकीय नियमों का निरंतर उल्लंघन पाया गया है।

उक्त कृत्य शासकीय सेवा में कदाचरण एवं सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के सामान्य नियम (1) एवं (2) नियम 3 (क) एवं (ग) तथा नियम-8 के विपरीत होने के कारण जेम्स तिर्की को छत्तीसगढ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उदयपुर जिला-सरगुजा निर्धारित किया जाता है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

CMYK

खेल की संक्षिप्त खबरें

आईपीएल 2025 का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली, 22 नवंबर 2024। आईपीलएल के अगले तीन सीजन के लिए तारीखों का ऐलान हुआ।

आईपीएल 2025 को लेकर बड़ा अपडेट है, दरअल, आईपीएल मेगा नीलामी से कुछ घंटे पहले ही लीग के 11वें सीजन का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। आईपीएल के अगले तीन सीजन के लिए तारीखों का ऐला कर दिया गया है।आईपीएल ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए अगले तीन सीजन के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया है। 2025 में आईपीएल 14 मार्च से शुरू होगा जबकि इसका फाइनल 25 मई को खेला जाएगा। वहीं 2026 का ससीजन 15 मार्च से 31 मई तक चलेगा। जबकि 2027 का सीज 14 मार्च से 30 मई तक होगा।

ऋषभ पंत ने अपने कैरियर का एक और इतिहास रचा

पर्थ,22 नवंबर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज हो चुका है। जहां पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जा रहा है। इस दौरान पहले दिन टीम इंडिया मुश्किल में दिखी जहां टीम पहली पारी में महज 150 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। हालांकि, टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने एक उपलब्धि अपने नाम की है।

अपने ही घर पर शर्मसार हुई ऑस्ट्रेलियाई टीम

» भारत ने 8 साल बाद किया ऐसा करिश्मा

पर्थ,22 नवंबर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर विरोधी टीम पर उसके घर पर पहले ही टेस्ट में हमला बोल दिया है। उम्मीद की जा रही थी कि ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घर पर खेलेगी तो टीम इंडिया पर दबाव होगा, लेकिन इसके उलट दिख रहा है। भारतीय टीम बल्लेबाजी में तो ज्यादा कुछ नहीं कर पाई, लेकिन जब गेंदबाजी की बारी आई तो भारत ने चढ़कर अपना खेल दिखाया है। जो दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने घर पर पिछले आठ साल से नहीं देखा था, वो आज भारत के सामने देखना पड़ गया। ये एक तरह से ऑस्ट्रेलिया के लिए

शर्मसार करने वाला दिन है।

जसप्रीत बुमराह ने किया पहले बल्लेबाजी का फैसला

भारतीय टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने आज टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। जब भारतीय टीम छोटे से स्कोर पर आउट हो गई तो लगा कि बुमराह का ये फैसला गलत हो गया है। लेकिन जब भारतीय ने गेंदबाजी में आग उगली तो लगा कि बुमराह सही थे। भारतीय टीम जहां 150 रन ही बना सकी, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने अपने 5 विकेट 40 रन बनाने से पहले ही गवां दिए थे। इसके बाद भी ऑस्ट्रेलिया के विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा।

40 रन से पहले ऑस्ट्रेलिया के गिरे 5 विकेट

बात अगर आंकड़ों की करें साल 1980 से लेकर अब तक ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ ऐसा दूसरी बार हुआ है, जब टीम अपने घर पर टेस्ट मैच खेल रही है और उसके पहले 5 विकेट 40 रन बनने से पहले ही चले गए हों। इससे पहले साल 2018 में साउथ अफ्रीका ने ऐसा ही किया था। साउथ अफ्रीका के सामने तो उस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पूरी तरह से घुटने टेक दिए थे। तब होबार्ट में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने अपने 5 विकेट केवल 17 रन पर ही गवां दिए थे। भारत के सामने तो ऑस्ट्रेलिया ने 38 रन पर अपने 5 विकेट गंवाए हैं। इस बीच जब तक टीम का स्कोर 50 रन हो पाता, उनका छठा विकेट भी चला गया।

बुमराह ने पहले ही ओवर से बोला हमला

जब टीम इंडिया की गेंदबाजी शुरू हुई तो मोर्चा जसप्रीत बुमराह ने ही संभाला। ऑस्ट्रेलिया के टॉप आर्डर को ध्वस्त करने में बुमराह की बहुत बड़ी भूमिका रही। उन्होंने बैक टू बैक तीन विकेट झटके। उसमें स्टीव स्मिथ को गोल्डन डक पर पवेलियन भेजना भी शामिल रहा। दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पा रहे थे, इसलिए कप्तान ने हर्षित राणा को गेंदबाजी सौंपी। उन्होंने ट्रेविस हेड को आउट कर भारतीय टीम को बड़ी सफलता दिलाई। इसके बाद जब दूसरे स्पेल में फिर से सिराज आए तो उन्होंने सटीक टिप्पा पकड़कर दो विकेट अपनी झोली में डाले और ऑस्ट्रेलियाई टीम को बैक फुट पर धकेल दिया।

अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने विश्व सुपर कबड्डी लीग 2025 को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 22 नवंबर 2024। अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) 2025 के आयोजन के लिए आधिकारिक तौर पर अनुमति दे दी है। लीग का आयोजन दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ (एसईएकेएफ) और थाईलैंड कबड्डी संघ के सहयोग से किया जा रहा है।

डब्ल्यूएसकेएल के आयोजक निकाय एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को बधाई संदेश में आईकेएफ ने कबड्डी के प्रति उनके समर्पण और दूरदर्शिता की सराहना की। कबड्डी लीग शुरू करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसके लिए न केवल खेल की गहरी समझ की आवश्यकता होती है, बल्कि असाधारण संगठनात्मक कौशल और इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए।

आईकेएफ के बयान में कहा गया है, आपके प्रयास युवा एथलीटों को प्रेरित करेंगे और कबड्डी के विकास और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डब्ल्यूएसकेएल में आईकेएफ सदस्य देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे, जो मैदान में उतरने से पहले खिलाड़ियों की नीलामी में भाग लेंगे। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, बल्कि लीग को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट के रूप में भी बढ़ावा मिलेगा।

इस साल अगस्त में, दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को 15 साल की अवधि के लिए डब्ल्यूएसकेएल के आयोजन के पूर्ण और अन्य अधिकार प्रदान किए, जिससे लीग के विकास और सफलता के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित हुआ।

इसके अतिरिक्त, थाईलैंड के कबड्डी संघ ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को लीग के एकमात्र और अनन्य निर्माता, अवधारणाकार और अधिकारधारक के रूप में समर्थन दिया। 1एक्सस्पोर्टज़ डब्ल्यूएसकेएल और लीग से संबंधित सभी परिचालनों का प्रबंधन करेगा।

जोफा आर्चर को फिर से आईपीएल ऑक्शन लिस्ट में जोड़ा गया

नई दिल्ली, 22 नवंबर 2024। इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर को आईपीएल नीलामी सूची में फिर से शामिल कर लिया गया है। कुछ दिन पहले ही उनका नाम उस शॉर्टलिस्ट में नहीं था, जो पिछले सप्ताह के अंत में फ्रेंचाइज़ियों को भेजी गई थी। ईएसपीएनक्रिकइंफो को जानकारी मिली है कि आर्चर को सूची में शामिल करने की सूचना फ्रेंचाइज़ियों को अनौपचारिक रूप से गुरुवार को दी गई। दो दिवसीय आईपीएल मेगा नीलामी 24-25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित की जाएगी।

सहवाग ने 297 रन बनाने पर बेटे आर्यवीर की सराहना की

नई दिल्ली, 22 नवंबर 2024। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने शुक्रवार को अपने बेटे आर्यवीर सहवाग की सराहना की, जिन्होंने शिलांग के पोलो में एमसीए ग्राउंड पर अंडर-19 पुरुष कूच बिहार ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच में मेघालय के खिलाफ दिल्ली के लिए खेलते हुए 297 रन बनाए।

सहवाग ने एक्स पर लिखा, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था,अच्छा खेला, आर्यवीर सहवाग। 23 रन से फेरारी चूक गए। लेकिन शाबाश, जोश बनाए रखो और आप और भी कई बड़े शतक तथा दोहरे और तिहरे शतक बनाएं। खेल जाओ..। 297 रन की मैराथन पारी के दौरान, किशोर ने 51 चौके और तीन छक्के जमाए और दिल्ली को 623/5 पर पहली पारी घोषित करने से पहले विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए। जवाब में दिल्ली के सलामी बल्लेबाज आर्यवीर और अर्नव बुग्गा ने पहले विकेट के लिए 180 रन जोड़े, जबकि बाद में आर्यवीर 108 गेंदों पर 19 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 114 रन बनाकर आउट हो गए। विकेटकीपर-बल्लेबाज वंश जेटली ने 43 रन जोड़े, जिसके बाद धन्या नाकरा और आर्यवीर ने पारी को आगे बढ़ाया और गुरुवार को खेल समाप्त होने तक 468/2 के स्कोर पर 208 रन की बढ़त हासिल कर ली।

मेघालय के कप्तान दीपांकर बरुआ ने दिल्ली की गति को रोकने के लिए विभिन्न गेंदबाजी संयोजनों की कोशिश की, लेकिन मेहमान टीम ने सपाट पिच का पूरा फायदा उठाया। मेघालय के पहली पारी के 260 रन के स्कोर को पार करने के बाद, दिल्ली ने आर्यवीर और धन्या के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 रन की शानदार साझेदारी करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली, जिससे मेजबान टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं।

आर्यवीर ने अक्टूबर में वीनू मांकड़ ट्रॉफी में पदार्पण किया, जिसमें मणिपुर के खिलाफ 49 रन बनाकर दिल्ली को छह विकेट से जीत दिलाई।

वीरेंद्र सहवाग ने कहा, मेरा बेटा 15 साल का है और आईपीएल में खेलने का मौका पाने के लिए पहले से ही कड़ी मेहनत कर रहा है। आईपीएल ने युवा प्रतिभाओं को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया है। पहले, रणजी ट्रॉफी के प्रदर्शन पर किसी का ध्यान नहीं जाता था और इसलिए वे भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाते थे। लेकिन अब, अगर आप आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपनी प्रतिभा दिखाते हैं, तो आपको तुरंत भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा, आईपीएल की वजह से देश के छोटे राज्यों के कई बच्चे क्रिकेट को गंभीरता से लेने लगे हैं और आईपीएल में भाग लेने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

पर्थ टेस्ट की प्लेइंग-11 में क्यों नहीं हैं शुभमन गिल?

नई दिल्ली,22 नवंबर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जाने वाला है, जहां टॉस जीतकर कप्तान जसप्रीत बुमराह ने बल्लेबाजी का फैसला किया है। लेकिन, जब प्लेइंग इलेवन में शुभमन गिल का नाम नहीं दिखा, तो हर कोई हैरान रह गया। हालांकि, बीसीसीआई ने अब खुद पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है कि आखिर गिल प्लेइंग-इलेवन का हिस्सा क्यों नहीं हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम को पर्थ टेस्ट शुरू होने से पहले ही बड़ा झटका लगा है. टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं। हर कोई इसे देखकर चौक गया, क्योंकि वह नंबर-3 पर टीम इंडिया के लिए अहम पारी खेलने की काबिलियत रखते हैं. हालांकि, बीसीसीआई ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जानकारी दी है कि वह इंजरी की वजह से प्लेइंग-11 से बाहर हैं।

पर्थ टेस्ट मैच में भारत की ओर से 2 युवाओं को डेब्यू करने का मौका मिला है। नितीश रेड्डी और हर्षित राणा को विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के हाथों टेस्ट कैप सौंपी गई है। वहीं, नंबर-3 पर शुभमन गिल की जगह देवदत्त पडिक्कल को मौका मिला है।

ऑस्ट्रेलिया- उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेज़लवुड

भारत- केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, देवदत्त पडिक्कल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, नितीश रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, जसप्रित बुमरा (कप्तान), मोहम्मद सिराज

भागम भाग 2 की कहानी हो रही तैयार

मेकर्स बोले...अक्षय कुमार,गोविंदा और परेश रावल इस बार और दिखेंगे दमदार

करीब 18 साल पहले रिलीज हुई अक्षय कुमार, गोविंदा और परेश रावल की सुपरहिट जोड़ी भागम भाग 2 के साथ एक बार फिर से तहलका मचाने आ रही है। साल 2006 में आई कॉमेडी फिल्म भागम भाग के इस सीक्वल का ऑफिशियली अनाउंस हो गया है।

इस ब्लॉकबस्टर कॉमेडी और लोटपोट करने वाली पागलपन की दुनिया वापस लौटने के लिए तैयार है। इस फिल्म ने सभी दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इतना वक्त गुजरने के बाद ये मोस्ट अवेटेड सीक्वल एक बार फिर अपने उन्हीं पुराने कलाकारों को लेकर फिर से लौट रहा है।

इस फिल्म में अक्षय कुमार, गोविंदा और परेश एक बार फिर से अपने पुराने अंदाज लेकिन नए तेवर में दिखने वाले हैं। भागम भाग जाने-माने निर्देशक प्रियदर्शन की बेस्ट फिल्मों में से एक मानी जाती है। इस फिल्म के सीक्वल के राइट्स हाल ही में रोअरिंग रिवर प्रोडक्शंस की सरिता अश्विन वर्दे ने शेमारू एंटरटेनमेंट से हासिल किए हैं, जो साथ-साथ फिल्म की स्क्रिप्ट पर भी काम कर रही हैं। वह शेमारू के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेंगी।

बड़े पर्दे पर फिर दिखेगी सलमान-करिश्मा की जोड़ी

23 साल बाद बीवी नंबर 1 हो रही री-रिलीज

अकसर लोगों को यह कहते सुना होगा कि शोले और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी आइकॉनिग फिल्में जब थिएटर में रिलीज हुई होंगी तो थिएटर में क्या नजारा रहा होगा। अब इस फील को पूरा करने के लिए आइकॉनिक फिल्मों को री-रिलीज करने चलन हो गया है। हाल ही में शाहरुख खान की कई फिल्में री-रिलीज हुईं, जिसमें वीर जारा और कल हो ना हो शामिल हैं। वहीं, शाहरुख खान और सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म करण-अर्जुन भी दोबारा रिलीज हो चुकी है। अब सलमान खान, सुष्मिता सेन और अनिल कपूर स्टारर फैमिली ड्रामा और एक्सट्रा मैरिटल अफेयर वाली फिल्म बीवी नं 1 थिएटर में री-रिलीज होने जा रही है। बीवी नं 1 का आज नया ट्रेलर भी रिलीज हुआ है।एक्टर और फिल्म प्रोड्यसर जैकी भगनानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म बीवी नंबर 1 के री-रिलीज की जानकारी दी है। जैकी ने लिखा है, यह ऑफिशियल है, बीवी नं 1 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, डेविड धवन की बिगेस्ट एंटरटेनर फिल्म बीवी नं 1 को थिएरट में दोबारा देखने के लिए तैयार रहें, यह 29 नंवबर को रिलीज हो रही है।बता दें, इस फिल्म को वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में सलमान खान की पत्नी का रोल करिश्मा कपूर ने प्ले किया था। वहीं, फिल्म में सलमान खान का सुष्मिता सेन से एक्सट्रा मैरिटल अफेयर था। वहीं, अनिल कपूर फिल्म में करिश्मा कपूर की मदद करने आते हैं और सलमान खान की अक्ल ठिकाने लगाते हैं। साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म बीवी नं 1 सलमान खान के करियर की सुपरहिट फिल्म है। बता दें, 12 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म बीवी नं 1 ने बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन 50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था।

स्टाइलिश साड़ी पहन आमना शरीफ ने शेयर किया हॉट लुक

एक्ट्रेस ने दिलकश अदाओं से फैंस को किया मदहोश

टीवी की हॉट अभिनेत्री आमना शरीफ हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स और बोल्ड फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो उनका हर एक लुक फैंस के बीच छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।अपने एक्टिंग और लुक्स से लोगों को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस आमना शरीफ आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है, जिसकी फोटोज सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लाइट ग्रीन कलर की नेट लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का जुड़ा बांधकर साथ ही उनपर गजरा लगाकर, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस जब भी सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।एक्ट्रेस जब भी सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

C M Y K

भीषण सड़क हादसे के शिकार हुए रामविचार नेताम

» कैबिनेट मंत्रियों ने स्वस्थ होने की प्रार्थना की
» रायपुर-बेमेतरा मार्ग पर जेवरा गांव के पास हुई दुर्घटना
» मंत्री के साथ मौजूद अन्य साथी भी हादसे में घायल
» सडक हादसे के कारणों की जांच की जा रही है...

रायपुर,22 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के कृषी मंत्री रामविचार नेताम सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा बेमतरा के पास हुआ। हादसे में मंत्री की गाड़ी के परखच्चे उड़ गये। मंत्री के हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोट आई है। एक्सीडेंट के बाद मंत्री रामविचार नेताम को सिमगा के हॉस्पिटल में लाया गया था। सिमगा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें रायपुर के रामकृष्ण हॉस्पिटल के लिए रेफर किया है।
उन्हें एम्बुलेंस के जरिये ग्रीन कॉरिडोर से रामकृष्ण हॉस्पिटल लाया गया है। जानकारी के मुताबिक, कृषि मंत्री रामविचार नेताम कवर्धा दौरे पर थे। यहां से देर शाम रायपुर के लिए निकले थे। इसी दौरान जब उनका काफिला बेमेतरा के जेवरा गांव के पास पहुंचा था तभी तेज रफ़्तार पिकअप ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में मंत्री की गाड़ी के परखच्चे उड़ गये। मंत्री के हाथ, पैर और सिर पर चोट आई है। बताया जा रहा है
कि उनकी हालत गंभीर है। फिलहाल

कैबिनेट के हमारे वरिष्ठ साथी रामविचार नेताम के कार दुर्घटना में चोटिल होने की सूचना प्राप्त हुई है। प्रभु श्रीराम से उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।
-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय-

कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम के कार दुर्घटना में चोटिल होने की सूचना प्राप्त हो रही है। प्रभु श्री राम जी से उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।
-मंत्री टंकराम वर्मा-

छत्तीसगढ़ शासन में वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम के कार दुर्घटना में चोटिल हो जाने की दुःखद सूचना प्राप्त हुई है। प्रभु श्रीराम से उनके शीघ्र स्वस्थ लाभ की कामना करता हूँ।
-मंत्री लखनलाल देवांगन-

मंत्री को रायपुर लाया गया है। हादसे की खबर के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,रायपुर एसएसपी संतोष सिंह सहित उनके समर्थक भी बड़ी संख्या में हॉस्पिटल पहुंच गये है। मंत्री को ग्रीन कारिडोर बनाकर रायपुर लाया गया है।

देवेंद्र यादव की बढ़ीं मुश्किलें

जमानत पर सुनवाई फिर टली, अब 25 नवंबर को होगी...

रायपुर,22 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की परेशानी बढ़ती नजर आ रही है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई की तारीख एक बार फिर बढ़ा दी है। पहले यह सुनवाई 22 नवंबर को होनी थी, लेकिन अब इसे 25 नवंबर तक के लिए टाल दिया गया है।

जेल में बंद हैं देवेंद्र यादव

भिलाई विधायक देवेंद्र यादव पिछले तीन महीनों से बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में हैं। यह हिंसा 10 जून को बलौदाबाजार कलेक्ट्रेट परिसर में हुई थी, जिसमें आगजनी और तोड़फोड़ के आरोप लगाए गए थे। यादव को 17 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। उनकी जमानत को लेकर बलौदाबाजार सत्र न्यायालय में भी सुनवाई जारी है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

जैन दादाबाड़ी भगवती दीक्षा एवं मोक्ष माला कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम

रायपुर,22 नवम्बर 2024 (ए)। आज राजधानी स्थित जैन दादाबाड़ी में आयोजित भगवती दीक्षा एवं मोक्ष माला कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। इस पावन अवसर पर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही जैन मुनियों का सानिध्य प्राप्त किया। कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा जी एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर

सुकमा,22 नवम्बर 2024 (ए)। कोंटा के भेज्जी इलाके में हुए पुलिस नक्सली मुठभेड़ में जवानों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबल के जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं मौके से 3 ऑटोमेटिक गन सहित कई हथियार बरामद किए गए है। इसकी पुष्टि डीआईजी कमलोचन कश्यप ने की है।. गुरुवार को ओडिशा के रास्ते बड़ी संख्या में नक्सलियों के छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश करने की सूचना मिली थी, जिसके बाद डीआरजी की टीम नक्सलियों के घेराबंदी के लिए रवाना हुई थी।शुक्रवार को सुबह सुबह कोंटा के भेज्जी इलाके में नक्सलियों की मुठभेड़ डीआरजी के जवानों के साथ हुई है, जिसमें जवानों ने 10 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। इलाके में फिलहाल सर्चिंग अभियान जारी है।

आरटीई घोटाला मामले में पूर्व डीईओ जीआर चंद्राकर पर एफआईआर के आदेश

रायपुर,22 नवम्बर 2024 (ए)। राज्य सरकार ने रायपुर के पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) जीआर चंद्राकर के खिलाफ शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत 76 लाख रुपये के गबन के मामले में एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया है। रायपुर के वर्तमान डीईओ डॉ. विजय खंडेलवाल को तत्काल एफआईआर दर्ज कर इस मामले की जानकारी सरकार को देने के आदेश दिए गए हैं। पूर्व कांग्रेस सरकार के समय इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी के आदेश पर अवर सचिव आरपी वर्मा ने इस मामले में कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

तीन बार जांच हुई, पूर्व प्रमुख सचिव की भूमिका संदिग्ध

इस मामले में तीन बार जांच हुई और आरोप साबित भी हुआ, लेकिन इसके बावजूद स्कूल शिक्षा के पूर्व प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस वजह से पूर्व प्रमुख सचिव की भूमिका पर भी संदेह बना हुआ है।

मामले की जांच का क्रम

पहली जांच:- तत्कालीन संयुक्त संचालक एसके भारद्वाज ने जांच की थी और पाया कि जिन लोगों के खातों में आरटीई की रकम भेजी गई थी, उनमें से कुछ स्कूल अस्तित्व में नहीं थे और कुछ वर्षों से बंद थे। जैसे कि सृष्टि पब्लिक स्कूल के नाम पर उपेंद्र चंद्राकर को 21 लाख 38 हजार 367 रुपये और सरस्वती शिशु मंदिर बेलदारसिवनी के नाम पर चंद्रिका अनंत के खाते में नौ लाख 80 हजार 578 रुपये जारी किए गए थे।
दूसरी जांच:- जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय रायपुर ने जांच कर रिपोर्ट संचालनालय को भेजी। इसमें साफ़ किया गया कि किस तरह जानबूझकर राशि दूसरों के खातों में भेजी गई थी। यूको बैंक के प्रबंधक ने भी इसकी पुष्टि की।
तीसरी जांच:- समग्र शिक्षा के तत्कालीन संयुक्त संचालक संजीव श्रीवास्तव ने जांच में बताया कि पूर्व डीईओ ने बिना नोटशीट के ही सेक्शन अधिकारी और बाबू से भुगतान कराया था। 28 जनवरी, 2021 को डीईओ के खाते में 77 लाख 97 हजार 55 रुपये थे, जिनमें से 76 लाख 42 हजार 203 रुपये अगले दिन आठ निजी स्कूलों के खातों में भेज दिए गए। इस मामले में डीईओ कार्यालय से रकम जारी करने के लिए नोटशीट तैयार नहीं की गई थी, और 2019-20 के लगभग करोड़ 66 लाख रुपये को 2020-21 में वितरित कर दिया गया था।

सड़क की कॉलर खोदकर किया जा रहा बर्बाद

» पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी ठेकेदारों को दे रहे संरक्षण...

कटघोरा,22 नवम्बर 2024 (ए)। जिले में लाखों-करोड़ों की पीडब्ल्यूडी और प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना की सड़कों को पीएचई के ठेकेदारों द्वारा खराब किया जा रहा है यह सब आंखों देखी हो रहा है. लेकिन पीएचई विभाग के अधिकारी इसे झुठलाने पर तुले हैं.
सड़क को नुकसान पहुंचाने के मामले में पीडब्ल्यूडी के द्वारा बार-बार पीएचई के अधिकारियों को नोटिस दिया जाता रहा है। लेकिन वह इस पर संज्ञान नहीं ले रहे हैं। एक बार फिर उन्हें सड़क सुधार के लिए नोटिस देने के साथ-साथ पेनल्टी लगाने की भी तैयारी की जा रही है सूत्र बताते हैं कि 50 लाख रुपये से अधिक की पैनाल्टी का एस्टीमेट तैयार किया जा रहा है।
कटघोरा से अंबिकापुर मार्ग में पीडब्ल्यूडी की सड़क के किनारे कॉलर खोदकर पाइप लाइन बिछाने का काम कराया जा रहा है पीएचई के द्वारा पहले जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम दिया गया।
जिसके ठेकेदारों ने सड़कों के किनारे कॉलर खोदकर पाइपलाइन बिछाया, इसके करीब 6-7 महीने बाद अब एक बार फिर सड़कों के कॉलर को खोदकर मल्टी विलेज योजना के तहत बड़ी पाइपलाइन बिछाने का काम हो रहा है।
इससे जहां सड़क कमजोर हो रही है, वहीं जल जीवन मिशन योजना के तहत कुछ माह पहले ही बिछाए गए पाइपलाइन को भी तहस कर दिया गया है। इसके साथ-साथ भारत नेट योजना के तहत बिछाए गए फाइबर केबल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं मल्टी विलेज योजना का क्रियान्वयन कर रही ठेका कंपनी की लापरवाही के कारण जहां लाखों-करोड़ों की जल जीवन मिशन योजना और भारत नेट योजना की दुर्गति की गई है।
वहीं पीएचई के ईई से लेकर जिम्मेदार मैदानी अधिकारियों के द्वारा इसकी अनदेखी की जा रही है।.एक बड़ी योजना का क्रियान्वयन करने के लिए पहली योजना का सत्यानाश कर दिया गया.। जबकि जल जीवन मिशन का काम करने वाले फर्म को अभी आधी राशि का ही भुगतान किया जा सका है ऐसे में सरकारी पैसे की बर्बादी की जा रही है, सड़क का नुकसान हो रहा है। वह अलग सड़कों के किनारे गड्ढे खोद कर पाइपलाइन बिछा देने के बाद इस तरह के हालात निर्मित हुए हैं। मल्टी विलेज योजना से ग्रामीणों को पानी मिलेगा, यह अच्छी बात है.।

जेल में बंद 69 आरोपियों में से 24 की जल्द हो सकती है रिहाई

पुलिस को नहीं मिले कोई साक्ष्य

कवर्धा,22 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के लोहारीडीह हिंसा मामले में बड़ा अपडेट आया है। इस मामले में जेल में बंद 69 आरोपियों में 24 की जल्द ही रिहाई हो सकती है. गिरफ्तार किए गए 24 लोगों के खिलाफ पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं मिला है। साक्ष्य नहीं जुटा पाने पर पुलिस ने 24 लोगों की रिहाई के लिए न्यायालय से निवेदन किया है। बता दें कि लोहारीडीह मामले में पुलिस ने 5 एफआईआर दर्ज किए गए थे. सभी में चालान पेश कर चुके हैं।
छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के

लोहारीडीह में एक सप्ताह के अंदर 3 लोगों की अलग-अलग वजह से जान चली गई थी। 14 सितंबर की दरमियानी रात शिवप्रसाद साहू की लाश मध्यप्रदेश के बिरसा थाने के क्षेत्र में पेड़ से लटकी मिली थी। शव मिलने के बाद ग्रामीणों ने हत्या के शक पर पूर्व सरपंच रघुनाथ साहू के घर को आग लगा दी, जिससे रघुनाथ साहू की जलने से मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने 33 महिला समेत 69 ग्रामीणों को हत्या के शक में गिरफ्तार किया है।
इसी बीच 19 सितंबर को हत्या के आरोप में जेल में बंद प्रशांत साहू की जेल में मौत हो गई। मृतक के बॉडी में गहरे चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशांत साहू की मौत पुलिस पिटाई के चलते जेल में मौत हुई है। इसके बाद सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए कबीरधाम जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ आईपीएस विकास कुमार को निलंबित किया। वहीं रेंगाखार थाने के निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक सहित वहां पदस्थ कुल 23 पुलिसकर्मियों को भी हटा दिया गया। इसके अलावा कबीरधाम एसपी और कलेक्टर पर भी गाज गिरी। दोनों का ट्रांसफर कर दिया गया।

शिवप्रसाद हत्याकांड में 4 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस जांच में पता चला कि शिवप्रसाद साहू की हत्या की गई थी. इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. शिवप्रसाद हत्याकांड में बिरसा पुलिस (मध्यप्रदेश) ने मृतक रघुनाथ साहू के बेटे दिनेश साहू सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ में 11 साल बाद नवंबर में पड़ रही कड़ाके की ठंड

कई जिलों में चल रही शीतलहर

रायपुर,22 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में ठण्ड ने अपने पैर पसार दिए हैं, यहाँ 11 साल बाद नवंबर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सरगुजा संभाग के सभी जिले शीतलहर की चपेट में हैं। सामरी, मैनपाट, बलरामपुर में न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री के बीच पहुंच गया है। प्रदेश के मैदानी इलाकों में दुर्ग सबसे ठंडा है। यहां रात का पारा 12.9 डिग्री तक गिर गया है। जो सामान्य से 4.5 डिग्री कम है।
मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान स्थिर रहने के संकेत दिए हैं। यानी ठंड बनी रहेगी। नवंबर का दूसरा पखवाड़ा ठंड के लिहाज से अच्छा है। पिछले दो-तीन दिनों से प्रदेश के सभी हिस्सों में ठंड बढ़ गई है।यहां रात का पारा 8.9 डिग्री रहा जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम था। वहीं पेंड्रा रोड में 10.8 डिग्री पारा रहा जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम था। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यहां शीतलहर जैसे हालात हैं।
इसी के साथ रायपुर में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के करीब बना हुआ है। वहीं दिन में भी हल्की ठंड महसूस होने लगी है। अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक रायपुर में ठंड बरकरार रहेगी। इसमें हल्की बढ़ोतरी भी होगी। प्रदेश में लगातार आ रही ड्राई हवा के कारण ऐसे हालात बन रहे हैं।

नशे में धुत ड्राइवर ने घर में घुसाया ट्रेलर

कोरबा,22 नवम्बर 2024 (ए)। कोरबी चोटियां में एक घर में तेज रफ्तार ट्रेलर घुस गई चालक नशे की हालत में था. और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक ग्रामीण की जान ले ली है.मामला पसान थाना क्षेत्र के कोरबी चौकी के अंतर्गत आने वाले सीमावर्ती ग्राम पाली-करमीपारा की है चौकी प्रभारी अफसर हुसैन खान ने बताया कि पाली निवासी 54 वर्षीय नानसाय पिता सुमैर सिंह अगरिया के घर एक ट्रेलर क्रमांक सी जी 10बी के 0344 के अज्ञात चालक ने नशे में धुत होकर सीधे उसके घर में वाहन घुसा दिया और मौके से भाग निकला.तब-तक घटना स्थल पर अफरा-तफरी मच गयी चपेट में आने से वृद्ध की मौत हो गई तत्पश्चात घटना की सूचना पुलिस चौकी में दी गई। सूचना मिलने के पश्चात पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव पंचनामा पश्चात पीएम के लिए पोड़ी उपरोड़ा के लिए रवाना किया गया है।

छत्तीसगढ़ में बजट सत्र के पहले नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव कराने की तैयारी

रायपुर,22 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।इस बार चुनावी प्रक्रिया को लेकर कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आ रहे हैं. । आगामी 11 दिसंबर को नगरीय निकाय चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी.चुनाव एक साथ कराने की योजना अगले वर्ष जनवरी या फरवरी में विधानसभा बजट सत्र से पहले की जा रही है.। इसके बाद, दिसंबर में चुनावों की आधिकारिक घोषणा की जाएगी, और जैसे ही घोषणा होगी,आचार संहिता लागू हो जाएग.अधिकारियों के मुताबिक, नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों की तारीखें थोड़ी अलग-अलग होंगी, क्योंकि एक ही दिन दोनों चुनाव कराना संभव नहीं है.आगामी फरवरी में

विधानसभा बजट सत्र से पहले दोनों चुनाव कराने की योजना है। हालांकि, दोनों चुनावों की अधिसूचनाएं अलग-अलग जारी की जाएंगी।. पंचायत चुनाव के नतीजे मतदान के दिन ही घोषित कर दिए जाते हैं, जबकि नगरीय निकाय चुनावों के नतीजे कई चरणों में होने के बाद तय तारीख को घोषित किए जाएंगे।.नगरीय निकाय चुनाव का कार्यकाल समाप्त होने को है,और इसके चलते निर्वाचन आयोग ने सभी प्रक्रियाओं को तेज़ी से पूरा करने की योजना बनाई है।. दिसंबर में होने वाले विधानसभा सत्र से पहले अधिकांश काम पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)